मस्जिद नवाब मुकीम खान,बंगाली पंजा, नागपुर

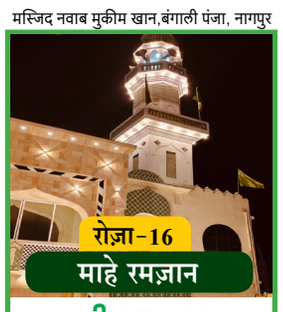

सहरी 05 : 02
इफ़्तार 06 : 29

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, सोमवार, 17 मार्च 2025 | अंक 153/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान हो ?
डायबेटीज चेकअप करके
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक
द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

कब्र हटाना तालिबान का काम

औरंगजेब की कब्र पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का विवादित बयान

नई दिल्ली. भारतीय राजनीति में इन दिनों औरंगजेब को लेकर जबरदस्त विवाद चल रहा है. इस पर तमाम पार्टियों के नेताओं की टिप्पणियां सामने आ रही हैं. अब इस पूरे प्रकरण पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का भी बयान सामने आया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि भारत मर्दों से नहीं लड़ाई करता है. भारत का शौर्य और बहादुरी के किस्से इतिहास के पन्नों में दर्ज है. आचार्य प्रमोद ने वक्फ बोर्ड प्रकरण को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है. अभी कुछ ही दिनों पहले रिलीज हुई छावा मूवी के बाद से ही औरंगजेब को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है. इस फिल्म में औरंगजेब को बेहद ही कुर शासक दिखाया गया है. वहीं, सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया था. इसके बाद इस पूरे मामले में तीखी बहस शुरू हो गई थी. अब इस पूरे मामले में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग तेज हो गई है. औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहा है विवाद पर यूपी के मुरादाबाद से आचार्य प्रमोद कृष्णम का भी बयान सामने आया है. भारत कभी भी आतंकवादियों से नहीं डरता है, भारत कभी भी तालिबानियों से नहीं डरता, भारत कभी भी किसी की धमकी में नहीं आएगा. आगे आचार्य कहते हैं कि धमकी देना आतंकवादियों का काम होता है. भारत किसी से नहीं डरता है. 'भारत मुर्दों से लड़ाई नहीं करता', आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भारत मुर्दों से लड़ाई नहीं करता है. भारत के शौर्य और भारत की बहादुरी इतिहास के पन्नों में दर्ज है, हमारे जितने भी राष्ट्रीय हीरो रहे हैं. इन्होंने कभी भी सनातन के सिद्धांत को नहीं छोड़ा. किसी की कब्र को हटाना यह तो तालिबान का काम है. सनातन धर्म इसकी अनुमति नहीं देता है. दुश्मन के मर जाने के बाद भी हम उसका सम्मान करते हैं. आगे वक्फ बोर्ड के प्रकरण को लेकर प्रमोद कृष्णम कहते हैं कि भारत कभी भी आईएसआईएस की धमकी में नहीं आया.

सुनीता-विल्मॉर को लेने अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा एलन मस्क का स्पेसशिप

वाशिंगटन.

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की बस वापसी होने में बहुत कम समय रह गया है। क्रू-10 का ड्रैगन अंतरिक्ष यान आखिरकार आईएसएस पर पहुंच गया है। अब क्रू-9 और क्रू-10 के बीच दो दिन के हैंडओवर के बाद, क्रू-9 19 मार्च को पृथ्वी पर लौटने की उम्मीद है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर क्रू-9 का हिस्सा हैं। नासा ने बताया कि उनके साथ नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हैग और रूसी कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोर्बुनोव पृथ्वी पर लौटेंगे।

नासा के अंतरिक्ष यात्री ऐन मैकक्लेन और निकोल आयर्स, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी, और रोसकोस्मोस के कॉस्मोनॉट किरिल पेसकोव ने अंतरिक्ष स्टेशन और स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान के बीच हैच खोलने के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश किया। सुनीता विलियम्स ने आधिकारिक तौर पर आईएसएस की कमान रूसी कॉस्मोनॉट अलेक्सेई ओवचिनिन को सौंपी है, जो अगले छह महीनों तक संचालन का नेतृत्व करेंगे। क्रू-10 के अंतरिक्ष यात्री शनिवार, 15 मार्च को आईएसएस पहुंचने के बाद, एक्सपेडिशन 72 के सदस्य बन गए। नासा और स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को घर वापस लाने के लिए काम बहुत मेहनत की और स्पेसएक्स क्रू-10 मिशन को आईएसएस में एक नया चालक दल पहुंचाने के लिए लॉन्च किया गया, जो 16 मार्च, 2025 को सफलतापूर्वक डॉक किया गया।

थ्रस्टर की खराबी सहित तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हुईं

उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने जून 2024 में बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर एक छोटी अवधि की परीक्षण उड़ान के लिए लॉन्च किया है, लेकिन थ्रस्टर की खराबी सहित तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हुईं। इन मुद्दों के कारण, नासा ने निर्धारित किया कि स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए सुरक्षित नहीं था, और उन्हें लंबे समय तक आईएसएस पर छोड़ दिया गया।

बीएलए का पाक सैन्य काफिले पर हमला

क्वेटा.

पाकिस्तानी सेना पर जबरदस्त फिदायीन हमला हुआ है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि रविवार को बलूचिस्तान के नोशकी इलाके में पाकिस्तान के सेना की जवानों से भरी बसों पर आत्मघाती हमला किया गया। इस सुसाइड बॉम्बिंग में करीब 90 जवानों के मरने की सूचना है। जानकारी के अनुसार बीएलए की मजीद ब्रिगेड और फतह स्क्वॉड ने 8 बसों के काफिले पर यह आत्मघाती हमला किया. इस हमले में सभी 8 बसें और सेना के जवान जलकर राख हो गए। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि इस हमले में उनके 7 जवानों की ही मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक बलूचिस्तान के नोशकी में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर नोशकी में एफसी काफिले के पास हुए विस्फोट में फ्रंटियर कोर के जवान शहीद हो गए और कम से कम जने 12 घायल हो गए। नोशकी स्टेशन हाउस ऑफिसर जफरुल्लाह सुमालानी के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चला है कि यह घटना एक आत्मघाती हमला थी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस हमले की निंदा की और लोगों की मौत पर दुख जताया। बुगती ने कहा,"बलूचिस्तान की शांति के साथ खिलवाड़ करने वालों का दुखद अंत होगा। उन्होंने कहा, "कायरता भरे हमले हमारा मनोबल नहीं गिरा सकते।" बलूचिस्तान में आतंकवादियों के लिए कोई जगह नहीं है, हर कीमत पर शांति कायम की जाएगी।

एसएचओ सुमालानी ने कहा कि हमले की जगह से मिले सुबूतों से पता चला है कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को एफसी काफिले में घुसा दिया था। घायलों को एफसी कैम्प और नोशकी टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां आपातकाल घोषित कर दिया गया है। सुमालानी ने आशंका जताई है कि मरने वालों और घायलों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि घायलों में से कई जने की हालत गंभीर है।

उन्होंने कहा कि शांति के दुश्मनों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "यह युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि हर आतंकवादी का खात्मा नहीं हो जाता।" उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान का हर व्यक्ति उन लोगों का ऋणी है, जिन्होंने इस मातृभूमि के लिए अपना खून बहाया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि हमले की निंदा की गई है.

पंजाब में किसानों का प्रदर्शन तेज

26 मार्च को विधानसभा तक करेंगे पैदल मार्च

चंडीगढ़. पंजाब में किसानों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है. हाल ही में मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ हुई किसानों की बैठक में हंगामा हुआ था, जिसके बाद सीएम बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए थे. किसानों ने आरोप लगाया था कि उनकी मांगे अनसुनी कर दी गईं. इसके बाद, किसानों ने 16 मार्च को एक और बैठक बुलाने का ऐलान किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को बुलाकर चर्चा करने की योजना थी. हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली. बैठक में किसानों ने हाल ही में गांव लेले में हुए घटनाक्रम की कड़ी निंदा की, जहां किसानों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया. किसानों का कहना है कि वे इस अन्याय के खिलाफ खड़े रहेंगे और इसका सख्त विरोध करेंगे. बैठक में यह फैसला लिया गया कि अब किसान अपनी मांगे पंजाब सरकार से मनवाने के लिए आंदोलन तेज करेंगे. 26 मार्च को, जिस दिन पंजाब का बजट पेश किया जाएगा, किसान चंडीगढ़ के सेक्टर 34 ग्राउंड में इकट्ठा होंगे और वहां से पंजाब विधानसभा तक पैदल मार्च करेंगे. किसान संगठनों ने पूरे पंजाब में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई है. विभिन्न जिलों में पर्चे वितरित कर लोगों को इस आंदोलन से जोड़ने की कोशिश की जाएगी. इसके साथ ही, बरनाला, अमृतसर और जालंधर में किसान महापंचायतों का आयोजन किया जाएगा, जहां आगे की रणनीति पर चर्चा होगी. किसानों का कहना है कि वे सरकार को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. किसानों का कहना है कि सरकार लगातार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है. वे एमएसपी की गारंटी, कर्जमाफी और अन्य महत्वपूर्ण मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज सुनने को तैयार नहीं है. किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं हुईं, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे. उन्होंने पंजाब सरकार को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अगले कदम की घोषणा करेंगे. किसान संगठनों ने इस आंदोलन में भाग लेने के लिए पंजाब के हर जिले से किसानों से जुड़ने की अपील की है.

उत्तर मैसेडोनिया नाइट क्लब में लगी आग, 51 की मौत

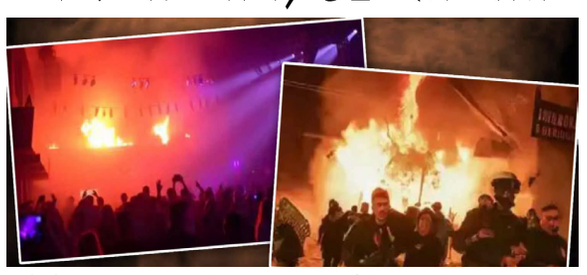

स्कोप्जे. दक्षिणी यूरोपीय देश उत्तर मैसेडोनिया में एक नाइट क्लब में आग लगने से हड़कंप मच गया. इस हादसे में 51 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई जबकि 100 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. देश के आंतरिक मंत्रालय ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी स्कोप्जे से करीब 100 किलोमीटर पूर्व में स्थित कोकानी शहर के पल्स नाइट क्लब में रविवार की सुबह आग लगी थी. बताया जा रहा है कि नाइट क्लब में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी चलने से ये हादसा हुआ है. सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें साफ देखा जा सकता है आग कितनी भीषण थी. आग की लपटें और धूएं का गुबार चारों तरफ फैला दिखाई दे रहा है.

फुटेज में इमारत में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं और रात के समय आसमान में धुआं उठ रहा है. हादसे के दौरान क्लब में की भारी तादाद में लोग मौजूद थे. इस घटना से क्लब में चीख पुकार मच गई. लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे. मैसेडोनिया के आंतरिक मंत्री पंचे तोशकोवस्की ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार सुबह नाइट क्लब पल्स में एक पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान यह घटना घटी. क्लब में लोगों ने आतिशबाजी की थी, जिसकी वजह से क्लब की छत में आग लग गई. मंत्री ने बताया कि पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान क्लब में करीब एक हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे. मंत्री के मुताबिक इस घटना में जख्मी लोगों को कोकानी के स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जहां कुछ लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है. बताया जा रहा है कि स्थानीय संगीत समूह की जोड़ी स्टेज पर परफॉर्मेंस दे रही थी. इसी दौरान कुछ युवाओं ने आतिशबाजी की. जिसकी चिंगारी से छत में आग लग गई. घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बल और अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर पहुंचे और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. फिलहाल मैसेडोनिया के अधिकारी आग लगने की वजह की जांच कर रहे हैं.

पीएम मोदी ने की महात्मा गांधी के जन आंदोलन के विजन पर चर्चा

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया की किस तरह महात्मा गांधी का जन आंदोलन का विजन उनकी हर पहल को प्रेरित करता है. पीएम मोदी ने महात्मा गांधी की जन शक्ति की शक्ति को पहचान कर देश की आजादी के संघर्ष को जन आंदोलन में बदलने की क्षमता पर प्रकाश डाला. उन्होंने यह भी कहा कि वह शुरू से ही महात्मा गांधी के जन आंदोलन से प्रेरित रहे हैं. उनके कई पहलों को उनके विचारों से प्रेरणा मिली है. अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट इंटरव्यू में पीएम मोदी ने बताया कि महात्मा गांधी अपने दृष्टिकोण में, हमेशा हर पहल में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने की कोशिश किया करते थे, ताकि इसे जन भागीदारी के साथ एक जन आंदोलन में बदला जा सके. प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस बात पर जोर दिया कि समाज की सामूहिक शक्ति असीम है. पीएम मोदी ने कहा, "मेरा जन्म गुजरात में हुआ. मेरी मातृभाषा गुजराती है. महात्मा गांधी का जन्म भी गुजरात में हुआ और उनकी मातृभाषा भी गुजराती है. वो बैरिस्टर बने. विदेश में रहे. उन्हें कई अवसर मिले, लेकिन अंदर का जो भाव था, और परिवार से जो संस्कार मिले, वो सब कुछ छोड़छाड़ कर भारत आ गए. भारत की आजादी की जंग में शामिल हो गए. आज भी महात्मा गांधी का प्रभाव किसी न किसी रूप में पड़ता ही है. गांधी जी ने जो बातें कहीं उसे जीने का कहीं न कहीं प्रयास भी किया." उन्होंने कहा, "महात्मा गांधी ने भी आजादी के लिए संघर्ष किया. गांधी जी ने जन आंदोलन खड़ा किया. उन्होंने हर काम को आजादी के संघर्ष से जोड़ दिया. सामान्य मानवीय को लगने लगा कि वह भी आजादी के आंदोलन से जुड़ गया है." पीएम मोदी ने कहा, "महात्मा गांधी ने सामूहिकता का भाव जगाया. उन्होंने जनशक्ति के सामर्थ्य को पहचाना. मेरे लिए आज भी वही महत्व है. मेरी यही कोशिश रहती है कि जन सामान्य को जोड़कर करना. ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी हो. सरकार ही सब कुछ कर लेगी ये भाव मेरे मन में नहीं होता है. समाज की शक्ति अपरंपार होती है. ये मेरा मत है." महात्मा गांधी के जन आंदोलन से प्रेरणा लेते हुए पीएम मोदी ने अपनी कई पहल का जिक्र किया.

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की बैठक संपन्न

अयोध्या. उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की न्यासी मंडल की बैठक रविवार को संपन्न हुई. इस बैठक में 12 ट्रस्टी उपस्थित रहे. साथ ही 2 अनुपस्थित रहे. बैठक में 4 ट्रस्टी ऑनलाइन जुड़े थे. बैठक के दौरान कामेश्वर चौपाल और सत्येंद्र दास को श्रद्धांजलि दी गई है. जिलाधिकारी छुट्टी पर गए थे.

इसलिए उनकी जगह कार्यवाहक अधिकारी बैठक का हिस्सा थे. बैठक में ट्रस्ट के बैंक अकाउंट से संबंधित विषय पर अहम जानकारी दी गई. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की स्थापना 5 फरवरी 2020 को हुई थी. 28 फरवरी 2025 तक ट्रस्ट के अकाउंट से 396 करोड़ का भुगतान हुआ है, जिसमें 272 करोड़ रुपए का जीसीटी गया. साथ ही 39 करोड़ रुपए टीडीएस का भुगतान किया गया है. पिछले पांच सालों में लेबर सेस 14 करोड़ लगा है. सरकार का पीएफ 7.4 करोड़ गया है. इंश्योरेंस पॉलिसी 4 करोड़ रुपये और जन्मभूमि के नक्शे के लिए अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी को 5 करोड़ की पेमेंट की गई.

सैनी ने यमुना नदी को स्वच्छ रखने की जताई प्रतिबद्धता

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुना नदी को स्वच्छ बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताते हुए सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि नदी में किसी भी तरह से सीवेज का पानी न छोड़ा जाए. हरियाणा राज्य सूखा राहत और बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शनिवार को सीएम सैनी ने कहा, ''यमुना को साफ रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है.'' एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत, सोनीपत, पलवल और यमुनानगर जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे अपने जिलों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करें, ताकि दूषित पानी यमुना में न जाए. सीएम नायब सैनी ने अधिकारियों को रेवाड़ी के मसानी बैराज में स्थित सभी 6 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्य पद्धति की जांच करने और उनकी उचित देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को अपने क्षेत्रों में नालों और नहरों की सफाई कराने और मॉनसून के दौरान जलभराव को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए.

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी

केदारनाथ.

केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश और गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस संबंध में केदारनाथ की भाजपा विधायक आशा नौटियाल ने जानकारी दी है. विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि कुछ गैर-हिंदू तत्व धार्मिक स्थल केदारनाथ धाम की पवित्रता को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग वहां मांस, मछली और शराब परोसने जैसे कामों में लिप्त हैं, जिससे धाम की गरिमा को नुकसान पहुंच रहा है. उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को चिह्नित कर उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है.

बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि हाल ही में प्रदेश के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने इस विषय पर अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक की थी.

बैठक में यह सुझाव आया कि गैर-हिंदू तत्वों द्वारा केदारनाथ धाम को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं. इसलिए ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए.

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि यह शिव भूमि है, उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में एक तरफ द्वारका और पुरी में भगवान विष्णु विराजमान हैं. एक तरफ रामेश्वरम हैं, तो दूसरी तरफ उत्तराखंड में केदारनाथ-बद्रीनाथ हैं. जहां हर धार में देवालय है और हर नदी घाड़ में शिवालय है, वहां आप किस-किस को वर्जित करेंगे. और ये संकीर्णता क्यों?

हरीश रावत ने कहा कि बीजेपी के नेताओं को सनसनीखेज बयान देने की आदत पड़ गई है, जिन्हें कोई जानता भी नहीं था, वो भी मीडिया की कृपा से रातोरात चर्चित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि आशाजी ने सोचा कि मैं पीछे क्यों रह जाऊं, इसलिए उन्होंने भी बयान दे दिया. हरीश रावत ने कहा कि अब शराब-मांस क्यों आ रहा है, आप सरकार हैं तो इसे आप रोकिए. मैं तो दूसरे धर्म के ऐसे लोगों को भी जनता हूं, जो हमेशा मंदिरों और आस्था वाली जगह पर पहले जूते उतार देते हैं, कभी-कभी हम भूल जाते हैं.

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एफ16 5जी लॉन्च किया

गुरुग्राम.

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एफ16 5जी लॉन्च किया है, जो गैलेक्सी एफ सीरीज की पहचान को आगे बढ़ाते हुए बेहतरीन फीचर्स के साथ आता है। इसमें 50एमपी ट्रिपल कैमरा, सटीक एसअमोलेड डिस्प्ले, मीडियाटेक डीमेंसिटी 6300 प्रोसेसर, 5000एएमएम बैटरी और 25डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग जैसी सुविधाएं हैं।

सैमसंग ने इस स्मार्टफोन में छह जेनरेशन तक एंड्रॉइड अपग्रेड और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट देने का वादा किया है। इसके अलावा, इसमें सैमसंग वॉलेट के साथ टैप एंड पे फीचर भी शामिल है, जिससे डिजिटल भुगतान आसान और सुरक्षित होगा।

गैलेक्सी एफ16 5जी वाइबिंग ब्लू, ग्लैम ग्रीन और ब्लिंग ब्लैक रंगों में उपलब्ध है और इसे फ्लिपकार्ट, सैमसंग.कॉम और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकता है।गैलेक्सी एफ16 5जी वाइबिंग ब्लू, ग्लैम ग्रीन और ब्लिंग ब्लैक रंगों में उपलब्ध है। इसे फ्लिपकार्ट, सैमसंग.कॉम और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकता है।

गैलेक्सी एफ16 5जी इस सेगमेंट में नए मानक स्थापित करता है। इसमें 6 जेनरेशन तक एंड्रॉइड अपग्रेड और 6 साल के सिक्योरिटी अपडेट दिए जाएंगे, जो इसे भविष्य में लंबी अवधि तक उपयोगी बनाए रखेगा। इसके अलावा, सैमसंग वॉलेट के साथ टैप एंड पे फीचर की शुरुआत कर, सैमसंग ने अपने ग्राहकों के लिए सुरक्षित और आसान डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया को और बेहतर किया है।

सैमसंग गैलेक्सी एफ16 5जी अब भारत में उपलब्ध है और यह तीन आकर्षक रंगों में फ्लिपकार्ट, सैमसंग.कॉम और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

निवेशकों की नजरें फेडरल रिजर्व पर

> शेयर बाजार में सुधार की संभावना

नई दिल्ली.

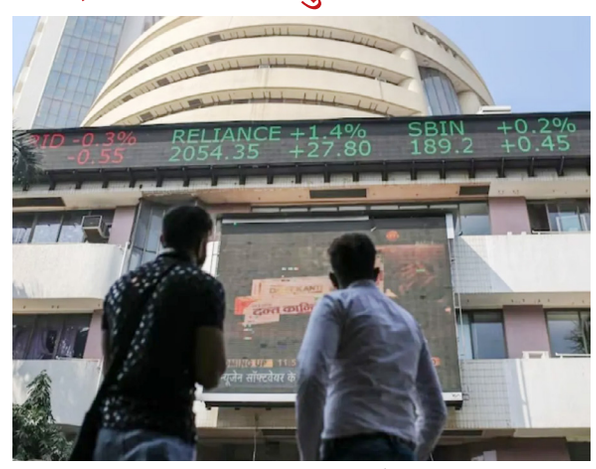

भारतीय शेयर बाजार में लंबे समय से छाया मायूसी का माहौल इस हफ्ते बदल सकता है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व अपनी ब्याज दरों को लेकर इस हफ्ते निर्णय ले सकता है, जो पूरी दुनिया के बाजारों को प्रभावित करता है. अगर फैसला भारत के पक्ष में रहता है तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की वापसी हो सकती है. इससे शेयर बाजार में एक बार फिर रौनक देखने को मिल सकती है. चलिए समझते हैं कैसी रहेगी बाजार की चाल

अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस हफ्ते नीतिगत ब्याज दरों को लेकर फैसला करने वाला है. अगर फेडरल रिजर्व ब्याज दर में कटौती करता है या बढ़ोतरी करता है, तब ही ग्लोबल मार्केट्स पर इसका गहरा असर देखने को मिलेगा. वैसे अमेरिका के दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने और वहां मंदी की आशंका के चलते फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बदलाव करने की गुंजाइश काफी कम है.

इस हफ्ते ब्रिटेन का सेंट्रल बैंक 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' भी ब्याज दरों का ऐलान करेगा. बाजार की नजर इस पर बनी रहेगी. वहीं ग्लोबल लेवल पर देखें तो चीन से रिटेल सेल, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन का डेटा भी इसी हफ्ते रिलीज होगा. अमेरिका के भी रिटेल सेल और प्रोडक्शन डेटा पर बाजार और निवेशकों की नजर बनी रहेगी.

भारतीय बाजार में मौजूदा गिरावट की मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निकासी करना है. डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बदलाव से उन्हें बेहतर रिटर्न की उम्मीद है, जिसकी वजह से वह इंडियन मार्केट से पैसा खींच रहे हैं.

लेकिन अगर अमेरिका में मंदी की आशंका गहराती है और फेडरल रिजर्व नीतिगत ब्याज दरों पर कोई बदलाव नहीं करता है, तो एफपीआई एक बार फिर भारत वापसी कर सकते हैं.

हालांकि ये निर्भर करता है कि भारत के मैक्रोइकोनॉमिक आंकड़े क्या कहानी बयां करते हैं. इस हफ्ते में सरकार थोक महंगाई के आंकड़े जारी करेगी.

आईएलएंडएफएस इनविट की एनएसई पर लिस्टिंग

मुंबई.

इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) ने रोडस्टार इंफ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) की इकाइयों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट किया। इस महत्वपूर्ण सूचीकरण समारोह में आईएलएंडएफएस समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री नंद किशोर, अध्यक्ष डॉ. जे एन सिंह, और रोडस्टार इनवेस्टमेंट मैनेजर्स लिमिटेड (आरआईएमएल) के सीईओ श्री डैनी सैमुअल उपस्थित थे।

रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने अपनी सड़क परिसंपत्तियों को मुद्रीकरण करने के बाद एनएसई पर सूचीबद्ध किया। इन परिसंपत्तियों का कुल मूल्यांकन 8,592 करोड़ रुपये

है, जो आईएलएंडएफएस की ऋण समाधान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रहा है। ट्रस्ट के पास छह प्रमुख सड़क परिसंपत्तियां हैं, जो भारत के छह राज्यों में फैली हैं। इन परियोजनाओं में मुरादाबाद-बरेली एक्सप्रेसवे, सीकर-बिकानेर हाईवे, पुणे-शोलापुर रोड डेवलपमेंट, बरवा अड्डा एक्सप्रेसवे, तिरुवनंतपुरम रोड डेवलपमेंट, और हजारीबाग-रांची एक्सप्रेस वे शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई 685.16 किलोमीटर है।

यह सूचीकरण आईएलएंडएफएस के लिए एक अहम कदम है क्योंकि यह उनके ऋण समाधान की दिशा में एक नई सफलता है। आईएलएंडएफएस ने हाल ही में 5,000 करोड़ रुपये के अंतरिम वितरण को पूरा किया, जिसमें 3,500 करोड़ रुपये की इनविट इकाइयां और 1,500 करोड़ रुपये की नकदी शामिल है, जिससे उनके कुल ऋण भुगतान में 70% की प्रगति हुई है।

आरआईआईटी के सीईओ श्री डैनी सैमुअल ने कहा, "एनएसई पर लिस्टिंग के बाद, रोडस्टार इनविट निवेशकों के लिए एक नया मंच प्रदान करेगा, जो बुनियादी ढांचे में निवेश करने के इच्छुक हैं। इससे ट्रस्ट के पोर्टफोलियो और मूल्यांकन में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। इस लिस्टिंग के साथ, आईएलएंडएफएस समूह ने अपनी ऋण समाधान प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए, भारतीय वित्तीय संकट को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

टैक्स बचत और सरलता के बीच चयन

> पुरानी या नई टैक्स रिजीम?

नई दिल्ली.

आयकर रिटर्न दाखिल करते समय करदाताओं के सामने एक बड़ा सवाल होता है नई टैक्स रिजीम चुनें या पुरानी? वित्त वर्ष 2023-24 से नई टैक्स रिजीम डिफ़ॉल्ट विकल्प बन गई है. यदि टैक्सपेयर विशेष रूप से ओल्ड टैक्स रिजीम का चयन नहीं करते, तो ऑटोमैटिक रूप से न्यू टैक्स रिजीम लागू होगी. हालांकि, कर व्यवस्था चुनने की प्रक्रिया व्यक्ति की आय के स्रोत पर निर्भर करती है.वेतनभोगी और गैर-व्यावसायिक आय वाले लोग इन्हें हर वर्ष नई और पुरानी कर व्यवस्थाओं के बीच स्विच करने की अनुमति है, बशर्ते वे 31 जुलाई, 2025 की समय सीमा) से पहले निर्णय लें. व्यवसाय या पेशे से कमाने वाले के लिए नियम कड़े हैं. यदि उन्होंने नई कर व्यवस्था चुनी है, तो वे केवल एक बार ओल्ड टैक्स रिजीम में लौट सकते हैं. पुरानी कर व्यवस्था चुनने के लिए फॉर्म 10-आईइए दाखिल करना अनिवार्य है. टैक्सपेयर को यह तय करना होगा कि कौन सी टैक्स रिजीम उनके लिए अधिक लाभदायक होगी. ओल्ड टैक्स रिजीम लाभ देती है यदि आप कई कटौतियों का दावा करते हैं, जैसे धारा 80सी: पीपीएफ, ईपीएफ, जीवन बीमा आदि. धारा 80डी: चिकित्सा बीमा, हाउस रेंट अलाउंस. दूसरी ओर नई टैक्स रिजीम सरल है, जिसमें कर दरें कम हैं लेकिन छूट और कटौतियां नहीं मिलतीं. 31 जुलाई, 2025: बिना विलंब शुल्क के आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि. 31 दिसंबर, 2025: विलंबित रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि.सही टैक्स रिजीम का चयन आपकी टैक्स बचत को प्रभावित कर सकता है. यदि आप कटौतियों का अधिक लाभ उठाते हैं, तो पुरानी व्यवस्था बेहतर हो सकती है. वहीं, यदि आप सरल कर प्रक्रिया चाहते हैं और कटौतियों की जरूरत नहीं है, तो नई कर व्यवस्था चुनना फायदेमंद रहेगा

टैक्स-सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट का बढ़ा महत्व

नई दिल्ली.

वर्तमान में शेयर बाजार की अस्थिरता के चलते निवेशक अब सुरक्षित और स्थिर रिटर्न की ओर रुख कर रहे हैं। इस बीच, फिक्स्ड डिपॉजिट और सरकार समर्थित बचत योजनाएं एक बार फिर से निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो गई हैं। अगर आप सुरक्षित रिटर्न के साथ टैक्स बचत भी चाहते हैं, तो टैक्स-सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।गारंटीड रिटर्न: यह निवेश पर स्थिर और सुनिश्चित ब्याज प्रदान करता है।कम जोखिम: बाजार की अस्थिरता से मुक्त होने के कारण पूंजी सुरक्षित रहती है।टैक्स बचत: धारा 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ मिलता है।वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त लाभ: वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य नागरिकों से अधिक ब्याज दर मिलती है।

टैक्स-सेविंग एफडी के ध्यान रखने योग्य पहलू इसमें पांच साल की लॉक-इन अवधि होती है, इस दौरान जमा राशि को निकाला नहीं जा सकता।टैक्स-सेविंग एफडी एक विशेष प्रकार की बैंक डिपॉजिट स्कीम है, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ देती है। हालांकि, इस एफडी की लॉक-इन अवधि पांच साल की होती है। यह स्कीम स्थिर ब्याज दरों के साथ आती है, जिससे निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं होती। अलग-अलग बैंकों द्वारा टैक्स-सेविंग एफडी पर दी जाने वाली ब्याज दरें भिन्न होती हैं।

आईसीआईसीआई बैंक: सामान्य नागरिकों को 7.25% और वरिष्ठ नागरिकों को 7.80% ब्याज।एचडीएफसी बैंक: सामान्य नागरिकों को 7% और वरिष्ठ नागरिकों को 7.50% ब्याज। एसबीआई: सामान्य नागरिकों को 6.5% और वरिष्ठ नागरिकों को 7.5% ब्याज। टैक्स-सेविंग एफडी एक आदर्श विकल्प हो सकता है।

उन निवेशकों के लिए जो सुरक्षित रिटर्न और टैक्स बचत को प्राथमिकता देते हैं।

ट्रेनों में मिलने वाले भोजन के पैकेटों पर अब क्यूआर कोड

नई दिल्ली.

लंबी दूरी के आरामदायक सफर की बात हो, तो लोग भारतीय रेल पर भरोसा करते हैं. रेलवे की ओर से भी लगातार यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रयास किए जाते रहते हैं. इस क्रम में अब ट्रेनों में मिलने वाले भोजन का मेनू और उसमें शामिल व्यंजनों की रेट लिस्ट डिस्प्ले करना जरूरी है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि ये अनिवार्य है.

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि ट्रेनों में भोजन का मेनू और दरें प्रदर्शित करना अनिवार्य है, यात्रियों की भोजन की कीमतों का विवरण देने वाले मेनू कार्ड, रेट लिस्ट और डिजिटल अलर्ट

तक पहुंच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की जानकारी के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर सभी खाद्य पदार्थों का मेनू और दरें उपलब्ध हैं. इसके साथी है ये सारी डिटेल ट्रेन में मौजूद वेटरों के पास उपलब्ध कराए जाते हैं और यात्रियों को मांगने पर दिए जाते हैं.अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पेंट्रीकारों में रेट लिस्ट डिस्प्ले किए जाने के अलावा यात्रियों को अब बेहतर पारदर्शिता के लिए मेनू और टैरिफ के लिंक के साथ एसएमएस अलर्ट भी मिलते हैं. रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे में फूड सर्विसेज के मेन्यू और रेट के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के लिए ये एसएमएस भेजना शुरू किया गया है.

रेल मंत्री से ट्रेनों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों की रेट लिस्ट और स्वच्छता, सफाई और भोजन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने ये जानकारी शेयर की. उन्होंने कहा कि पेंट्रीकारों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे भोजन तैयार किये जाने के दौरान बेहतर निगरानी की जा सके.

इसके अलावा बेस किचन में आधुनिक सुविधाएं स्थापित की गई हैं. रेलवे ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाना पकाने के तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला, पनीर और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे ब्रांडेड कच्चे माल के उपयोग को अनिवार्य किया है.

चीन का ब्रांड अमेरिकी कंपनियों को दे रहा टक्कर

नई दिल्ली.

चीन का एक पेय पदार्थ ब्रांड मिक्स्यू बिंगचेंग (जिसका मतलब 'हनी स्नो आइस सिटी' है) अब दुनिया की सबसे बड़ी एफ&बी चेन बन चुका है, और यह अमेरिका की बड़ी कंपनियों जैसे स्टारबक्स और मैकडॉनल्ड्स को कड़ी टक्कर दे रहा है। यह कंपनी अब भारत समेत दुनिया के कई देशों में तेजी से पैर पसार रही है।

मिक्स्यू बिंगचेंग आइसक्रीम, कॉफी और बबल टी जैसे सस्ते उत्पाद बेचती है, जो मीठे खाने के शौकीनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं। इंडोनेशिया में मिक्स्यू के 2600 से ज्यादा आउटलेट हैं और इसकी चाय दूसरी कंपनियों की चाय से एक तिहाई सस्ती है। मिक्स्यू की आइसक्रीम भी मैकडॉनल्ड्स से काफी सस्ती है, जो ग्राहकों को आकर्षित कर रही है।

मिक्स्यू ग्रुप का यह ब्रांड 45,000 से ज्यादा स्टोर्स के साथ दुनिया में सबसे बड़े आउटलेट्स की सूची में शामिल हो चुका है। इंडस्ट्री विश्लेषकों के अनुसार, यह संख्या स्टारबक्स और मैकडॉनल्ड्स के स्टोर्स से भी ज्यादा है। इसमें से लगभग 40,000 स्टोर्स चीन में हैं।

सिंगापुर की रिसर्च फर्म मोमेंटम वर्क्स के अनुसार, दिसंबर 2024 तक दक्षिण-पूर्व एशिया में मिक्स्यू के 6100 से अधिक आउटलेट्स खुल चुके हैं। मिक्स्यू के अधिकांश स्टोर्स फ्रैंचाइजी हैं.

जिनमें वे क्रीमी मैंगो बोबा, मैंगो ओट्स जैस्मीन टी और कोकोनट जेली मिल्क टी जैसी ड्रिंक्स के लिए सामग्री प्रदान करते हैं।

विदेशी निवेशकों की 'बिग सेल'

> बाजार से निकाले 1.42 लाख करोड़

नई दिल्ली.

विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार से भरोसा उठ रहा है. यही कारण है कि वो भारतीय बाजार से लगातार इक्विटी की बिकवाली कर रहे हैं. साल 2025 में उनके जरिए की गई निकासी सबसे बड़ी सेल मानी जा रही है. जनवरी और फरवरी की भारी बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मार्च में भी भारतीय शेयर बाजारों से निकासी जारी है. ग्लोबल व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने के बीच एफपीआई ने मार्च के पहले 2 हफ़्तों में शेयर बाजारों से 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि निकाली है. इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे.

आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (13 मार्च तक) भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 30,015 करोड़ रुपये निकाले हैं. यह उनकी शुद्ध निकासी का लगातार 14वां सप्ताह है. कई वैश्विक और घरेलू कारकों से एफपीआई काफी समय से लगातार बिकवाली कर रहे हैं. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिका की व्यापार नीतियों को लेकर जो अनिश्चितता चल रही है, उससे वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई है. ऐसे में एफपीआई भारत जैसे उभरते बाजारों को लेकर सतर्कता का रुख अपना रहे हैं. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि भारत से एफपीआई पैसे निकाल कर चीन के शेयरों में लगा रहे हैं. चीन के शेयर बाजारों का प्रदर्शन अन्य बाजारों से बेहतर है.

उन्होंने कहा, डॉलर सूचकांक में हालिया गिरावट अमेरिका में कोष के प्रवाह को सीमित करेगी. हालांकि, अमेरिका और अन्य देशों के बीच व्यापार युद्ध से उत्पन्न अनिश्चितता के कारण सोने और डॉलर जैसी सुरक्षित परिसंपत्ति वर्गों में अधिक निवेश जाने की संभावना है. आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 7,355 करोड़ रुपये का निवेश किया है और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 325 करोड़ रुपये निकाले हैं.

ये है निकासी का सबसे बड़ा कारण

एफपीआई की निकासी को बढ़ावा देने वाले अन्य प्रमुख कारक अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल और डॉलर की मजबूती है. इसने अमेरिकी परिसंपत्तियों को और अधिक आकर्षक बना दिया है. साथ ही, भारतीय रुपये में गिरावट ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह विदेशी निवेशकों के लिए रिटर्न को कम करता है.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र मोहिनी
विकली लॉटरी
सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 11 • तिकीट कि. रु. 15/- • सोडत दिनांक 16/03/2025
पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-
MO-09 : 5753
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-
2072
श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-
4659 5051 5245
चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)
1174 1632 2542 3694 4430
1212 1709 2593 3828 4458
1274 1931 2662 3830 4462
1455 2062 2722 3873 4747
1481 2259 2782 3876 5545
1488 2274 3150 3988 5569
1546 2515 3465 4212 5634
1556 2527 3566 4409 5996
महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत 21/03/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अधिकृत निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी सोडत दिनांक 16/03/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी
रवि विकली लॉटरी
सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 11 • तिकीट कि. रु. 20/- • सोडत दिनांक 16/03/2025
मालिका GL-00 GL-01 GL-02 GL-03 GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/- 8254 3007 महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर 2247 1008 7768
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- 5183 वैशाली लॉटरी - बोरिवली 5714
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- 1195 4005 चिराग एन्टरप्रायझेस, नाशिक 4175 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई 7438 7629
चौथे बक्षिस रु. 1000/- 2019 2112 2160 2191 2412 4346 5726 5939 7840 9981
पाचवे बक्षिस रु. 500/- 0568 1868 2666 3858 3999 5374 6540 7011 7265 9929
सहावे बक्षिस रु. 300/- सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)
0905 1936 3196 3909 4766 5963 6655 7388 8056 8876
0970 1975 3235 3923 4804 5985 6659 7475 8081 8889
0012 1035 2106 3255 3964 4849 6009 6661 7490 8124 9095
0056 1049 2150 3257 3983 4954 6034 6668 7519 8172 9099
0061 1060 2213 3270 4041 5015 6046 6692 7633 8201 9138
0127 1103 2229 3344 4120 5038 6082 6740 7731 8285 9282
0230 1138 2246 3348 4143 5059 6159 6754 7733 8355 9339
0246 1183 2426 3373 4194 5123 6161 6756 7764 8386 9480
0329 1330 2551 3397 4244 5273 6169 6767 7766 8391 9491
0335 1372 2556 3413 4419 5361 6202 6833 7768 8398 9584
0343 1418 2605 3436 4468 5441 6276 6960 7784 8440 9596
0400 1448 2625 3441 4470 5486 6284 7002 7787 8449 9679
0428 1449 2682 3453 4528 5563 6332 7007 7794 8467 9719
0435 1461 2725 3472 4542 5589 6368 7087 7842 8609 9726
0540 1513 2946 3541 4576 5604 6383 7090 7853 8686 9729
0750 1858 2993 3549 4594 5623 6391 7293 7870 8719 9747
0811 1873 3104 3593 4602 5651 6462 7305 7935 8771 9790
0863 1917 3132 3596 4616 5805 6502 7344 7955 8789 9940
0891 1921 3156 3801 4624 5808 6612 7346 8025 8856 9992
महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत 29/03/2025
जिंका फक्त 5 अंकावर ₹1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) ₹8 लाख (₹1 लाखाची 8 बक्षिसे) ₹10 लाख (₹2 लाखाची 5 बक्षिसे) 200/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी सोडत दिनांक 16/03/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

औरंगजेब की कब्र की बढ़ाई गई सिक्योरिटी

>प्रशासन को सताया किस बात का डर?

छत्रपति संभाजी नगर.

छत्रपति संभाजी नगर जिले में औरंगजेब की कब्र है, जिसे विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की ओर से खत्म करने का ऐलान किया गया है. ऐसे में कब्र के पास स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है.स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स की कुल 2 टुकड़ियां इसमें लगाई गई हैं, जिसमें एक खुल्दाबाद के मुख्य दरवाजे के पास लगाई गई है, जहां एक पुलिस वैन को डिप्लॉयड किया गया है.

दूसरी टुकड़ी को औरंगजेब की कब्र के पास नक्कारखाना दरवाजे के बाहर खड़ा किया गया है. इसके अलावा लोकल खुल्दाबाद पुलिस को सिविल ड्रेस में बाजार, कब्र के पास और ख्वाजा बुरहानुद्दीन मजार के बाहर खड़ा किया गया है. 22 ख्वाजा

दरगाह समिति के दफ्तर पर भी एक सिपाही गश्त लगा रहा है. स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है. ऐसे में लोगों को चेकिंग के बाद ही कब्र पर जाने की इजाजत दी जा रही है.

अब हिंदू संगठनों की ओर से औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की जा रही है. फिल्म 'छावा' आने के बाद से ये मांग और ज्यादा बढ़ गई है. विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से न सिर्फ 17 मार्च को कब्र हटाने की बात कही गई, साथ ही कब्र न हटाने पर बाबरी स्टाइल में कारसेवा करने की चेतावनी भी दी गई है.मकबरा फिलहाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण में है और अब प्रशासन की ओर से कब्र की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है.

छावा के बाद से चर्चा में औरंगजेब

औरंगजेब को लेकर कई दिनों से बहस छिड़ी हुई है. विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि सोमवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर औरंगजेब की कब्र का अंत होगा, जिसके बाद अब कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. औरंगजेब के मकबरे का मुद्दा समय-समय पर उठता रहता है. अब जब से विकी कौशल की फिल्म 'छावा' आई है. तब से ये मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है.

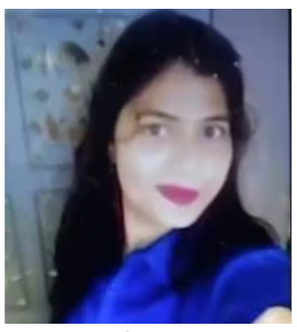

लुटेरी दुल्हन शादी के बाद पैसे और जेवरात लेकर फरार

जलगांव. एक युवक को एजेंट के जरिये शादी करना काफी महंगा पड़ गया. युवक के साथ शादी के बाद 2 लाख 44 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. जलगांव के रामेश्वर कॉलोनी इलाके में शादी के तीसरे दिन ही दुल्हन गहने और पैसे लेकर रात में ही गायब हो गई. जब पत्नी वापस नहीं लौटी और घर से पैसे और जेवर के नहीं होने की जानकारी हुई तब जाकर पता चला कि दूल्हन ठगी करके फरार हो हुई है. दुल्हन के फरार होने के बाद दूल्हे ने एजेंट और दुल्हन सहित चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है.

एक एजेंट की माध्यम से एक लड़के की शादी 1 लाख 60 हजार रुपये में तय हुई थी. शादी में युवक की मां ने दुल्हन को मंगलसूत्र, झुमके और सोने की बालियों जैसे आभूषण गिफ्ट किए थे. दोनों की शादी बहुत ही हंसी-खुशी हुई थी, लेकिन शादी के तीसरे ही दिन दुल्हन गहने और पैसे लेकर फरार हो गई. दुल्हन और एजेंट ने दूल्हे के परिवार से 2 लाख 44 हजार रुपये की ठगी की है.

इस मामले में दूल्हे ने चार लोगों के खिलाफ एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. इस मामले में 13 मार्च को एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में दुल्हन, एजेंट और दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. दुल्हन 84 हजार रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गई. जब युवक को पता चला कि उसकी पत्नी वापस नहीं लौटी है और उसके पैसे और गहने भी गायब हैं, तो उसने एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

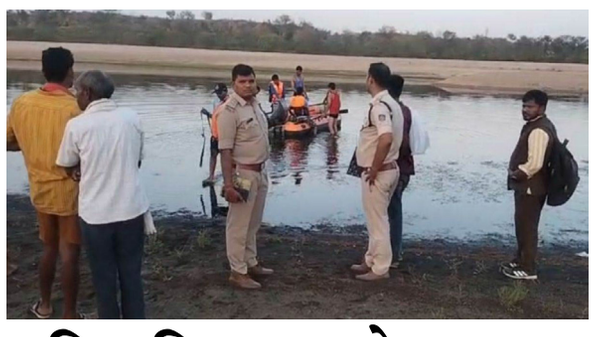

पिकनिक मनाने गए 9 लोगों की डूबने से मौत!

बदलापुर. चंद्रपुर और ठाणे जिलों में दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 9 लोगों की डूबने से मौत हो गई। पहली घटना ठाणे के बदलापुर इलाके में होली के दिन हुई। जब शुक्रवार दोपहर बदलापुर में उल्हास नदी में नहाने गए चार नाबालिग डूब गए। यह हादसा तब हुआ जब नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया,जिससे चारों लड़के तेज बहाव में बह गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब पीड़ित गलती से चंद्रपुर के नागभीड तहसील स्थित झील के गहरे हिस्से में चले गए। घटना का पता तब चला जब समूह में शामिल एक शख्स किसी तरह से बचकर झील से बाहर आया। उसने अपने साथियों को बचाने के लिए शोर मचाया।

पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के बाद जनक किशोर गावंडे (24), उसके भाई यश (23), अनिकेत यशवंत गावंडे (28), तेजस बालाजी गावंडे (24) और तेजस संजय ठाकरे (16) के शव झील से बाहर निकाले गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। घोडाझरी झील प्रकृति के प्रेमियों, पक्षी प्रेमियों और पिकनिक मनाने वाले लोगों के बीच लोकप्रिय है।

अधिकारियों ने बताया कि बदलापुर में उल्हास नदी में डूबने वाले सभी मृतक कक्षा 10 के छात्र थे और 15 से 16 साल की उम्र के थे। वे चमतोली स्थित पोद्दार गृह कॉम्प्लेक्स में रहते थे। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले छात्रों की पहचान आर्यन मेदार (15), ओम सिंह तोमर (15), सिद्धार्थ सिंह (16) और आर्यन सिंह (16) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और बचाव दल ने उन्हें ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन चारों को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की जांच कर रही है।

वरिष्ठ रेल यात्रियों को राहत

पुणे. रेलवे पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने एक बुजुर्ग रेल यात्री के बैग से 11.5 लाख रुपये के आभूषण चुरा लिए और मौके से फरार हो गया। एक चोर से जब्त किए गए 10.93 लाख रुपये के आभूषण हाल ही में शिकायतकर्ता वरिष्ठ नागरिक को लौटा दिए गए। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुमित कुमार सतवर सिंह (उम्र 30, निवासी सुल्तानपुरी, दिल्ली, मूल रूप से भवानी खेड़ा, हरियाणा) के रूप में हुई है। शिरीष विठ्ठलराव शितोले (उम्र 73, निवासी आनंदपुरा, देवास, मध्य प्रदेश) ने इस संबंध में लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। 13 जनवरी को रोजी शितोले इंदौर-पुणे ट्रेन में यात्रा कर रही थीं। पता चला कि पुणे रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद शितोले दम्पति के बैग से 11.5 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चोरी हो गए। गहने चोरी होने के बाद शितोले ने पुणे रेलवे स्टेशन के लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई । इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने पुणे रेलवे स्टेशन सहित 150 स्थानों से सीसीटीवी फुटेज जब्त की। जांच टीम को सूचना मिली कि चोर सुमित कुमार घोरपड़ी रेलवे यार्ड क्षेत्र में रह रहा है। तभी पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से 10 लाख 83 हजार रुपए के आभूषण जब्त किए गए। कानूनी प्रक्रिया से गुजरने के बाद हाल ही में आभूषण शितोले को वापस कर दिए गए।

संकट में चीनी उद्योग

कोल्हापुर. लंबित गन्ना भुगतान, व्यापार ऋण, गन्ना कटाई और परिवहन के लिए अतिदेय भुगतान और पिछले ऋणों पर ब्याज के बोझ के कारण किसानों के बढ़ते दबाव के कारण राज्य का चीनी उद्योग बहुत ही गंभीर वित्तीय स्थिति में है। इस पर काबू पाने के लिए राज्य की दो सौ से अधिक चीनी मिलों ने राज्य सरकार से बकाया गन्ना मूल्य की भरपाई के लिए सावधि ऋण और दीर्घकालिक ऋण (सॉफ्ट लोन) के पुनर्गठन के माध्यम से तत्काल सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया है।

इस वर्ष का चीनी सीजन समापन की ओर बढ़ रहा है। साथ ही, चीनी उद्योग की वित्तीय कठिनाइयां भी बढ़ती जा रही हैं। केंद्र सरकार ने फरवरी 2019 में चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य 3,100 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया था। हालाँकि, पिछले छह वर्षों में इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई है। इसके विपरीत, इस सीजन में किसानों को दिया जाने वाला गन्ना मूल्य (एफआरपी) 250 रुपये प्रति टन बढ़ाकर 3,400 रुपये प्रति टन कर दिया गया। गन्ना कटाई के लिए तीन साल का समझौता किया गया, जिससे इसमें 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चीनी उद्योग पर लागत का बोझ बढ़ रहा है, तथा राजस्व स्रोत भी पहले की तरह सीमित बने रहने के कारण, चीनी उद्योग को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

गतिरोध को तोड़ने के लिए राज्य के चीनी उद्योग ने सरकार से चार मुख्य मांगें रखी हैं। कारखानों के सावधि ऋणों को तीन वर्ष की छूट अवधि के साथ दस वर्षों के लिए पुनर्गठित किया जाना चाहिए। इससे कारखानों के बैंक खाते अनुत्पादक ऋण में जाने से बच जायेंगे। किसानों को बकाया एफआरपी तथा गन्ना कटाई एवं परिवहन व्यय के भुगतान के लिए कम ब्याज दरों वाली, दीर्घावधि एवं कम ब्याज दरों वाली सॉफ्ट लोन योजना की घोषणा की जानी चाहिए। इन मांगों में चीनी का विक्रय मूल्य (एसएमपी) गन्ने के 'एफआरपी' के अनुरूप 4051 रुपये प्रति क्विंटल करना तथा केंद्र सरकार से इथेनॉल का मूल्य बढ़ाने का अनुरोध करना शामिल है।

झुग्गियों में भीषण आग लगी

वसई. वसई पश्चिम में दत्तानी मॉल के पीछे झोपड़ियों में भीषण आग लग गई है। यह घटना शनिवार रात करीब 8:15 बजे घटी। 30 से 35 झोपड़ियां जल गईं, गरीबों का जीवन तबाह हो गया। मजदूरी करने वाले दोनों भाई वसई पश्चिम में दत्तानी मॉल के पीछे खुली जगह में झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। शनिवार रात इन झोपड़ियों में अचानक आग लग गई। इस घटना से काफी हलचल मच गई।स्थानीय लोगों ने तुरंत वसई विरार नगर निगम के अग्निशमन विभाग को आग की सूचना दी। आग की सूचना मिलने पर ताम तालाब से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। हालांकि आग की गंभीरता को देखते हुए सनसिटी और नवघर फायर स्टेशनों से भी दमकल गाड़ियां भेजी गईं और चार घंटे की अथक कोशिशों के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन 30 से 35 झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। आग लगने का सटीक कारण अभी भी अज्ञात है। दूसरी ओर, यह सवाल उठ रहा है कि क्या आग वास्तव में लगी थी या लगाई गई थी। वसई विरार में कृषि और अन्य काम की तलाश में नागरिक पालघर जिले सहित विभिन्न स्थानों से पलायन करते हैं। वे किसी भी उपलब्ध खुली जगह पर झोपड़ियाँ बना लेते हैं। वे जो भी काम हाथ में आता है, उसे करके अपनी जीविका चलाते हैं। हालांकि, आग में 30 से अधिक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं और कई गरीब परिवारों का सामान नष्ट हो गया।

तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत

भोर. भोर तालुका क्षेत्र से एक अजीब वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. यह घटना वाकई में चौंकाने वाली है और इसे देखकर लोग दहशत में आ सकते हैं। तेंदुए का इस तरह से कुत्ते पर हमला करना और फिर उसे दबे पांव लेकर भाग जाना यह दर्शाता है कि जंगल से जुड़े जानवरों का शहरी इलाकों में आना कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना यह भी साबित करती है कि पालतू जानवरों को लेकर हमेशा सतर्क रहना चाहिए, खासकर जब आसपास जंगली जानवरों का खतरा हो।

वीडियो के वायरल होने के बाद इलाके के लोग पूरी तरह से सतर्क हो गए हैं। खासकर पालतू जानवरों के मालिकों को अब

अपने कुत्तों और अन्य जानवरों के लिए और अधिक सुरक्षा के उपायों के बारे में सोचने की जरूरत महसूस हो रही है।

इस तरह की घटनाओं को देखते हुए वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को भी जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है ताकि लोग जान सकें कि जंगली जानवरों के संपर्क में आने पर क्या कदम उठाने चाहिए. क्या प्रशासन ने कुछ कदम उठाए हैं?

जाहीर सूचना

आम जनतेस सूचित करण्यात येते कि, माझे पक्षकार **श्रीमती सविता राहुल मेश्राम,** यांचे पती **श्री राहुल उमाजी मेश्राम,** यांचा मृत्यु दिनांक २७/०४/२०२१ रोजी झाला आहे. त्यांच्या नावावर असलेले वाहन खालील प्रमाणे.

1) Two Wheeler : CB SHINE
Colour : BLACK E
Reg. No. : MH 31 EX4254
Eng. No. : JC65ET0377343
CH. No. : ME4JC652EGT123641

2) Two Wheeler : ACTIVA 5G
Colour : GRAY
Reg. No. : MH 31 FJ3075
Eng. No. : JF50E77166958
CH. No. : ME4JF50AGJ7166829

उपरोक्त वाहन आता माझे पक्षकार **श्रीमती सविता राहुल मेश्राम** यांच्या नावे हस्तांतरण करण्याबाबत त्यांनी प्रादेशीक परिवहन कार्यालय, नागपूर येथे अर्ज सादर करीत आहे. तरीही कोणालाही कोणत्याही प्रकारचा आक्षेप, उजर, गहाण, बक्षिस, हस्तांतरण इ. असल्यास ही जाहीर सूचना प्रकाशित झालेल्या तारखेपासून **सात दिवसाच्या आत** त्यांनी प्रादेशीक परिवहन कार्यालय, नागपूर येथे किंवा खालील पत्यावर योग्य त्या पुराव्यासह भेटावे अन्यथा उपरोक्त वाहन माझे पक्षकार यांच्या नावे हस्तांतरीत करण्यात येईल. याची कृपया नोंद घ्यावी.

नागपूर, दिनांक १७.०३.२०२५

ॲड. दिपमाला मेश्राम
बालकृष्ण मोहल्ला, लाईन नं. ६, इंदोरा, नागपूर. मो.नं. ८००७५९३१०५

Prasanna Publicity 9326927622

विधान परिषद उपचुनाव के लिए जारी हुए 3 उम्मीदवारों के नाम

मुंबई.

राज्य में होने वाले विधान परिषद उपचुनाव के लिए बीजेपी ने तीन उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है. जिन उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं, उनमें संदीप दिवाकर जोशी, संजय किशन केनेकर और दादाराव यादव के शामिल हैं. महाराष्ट्र में विधान परिषद की पांच सीटों पर उपचुनाव होने हैं. 27 मार्च को चुनाव होगा.बीजेपी ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं जबकि शिवसेना और एनसीपी में नामों को लेकर मंथन जारी है. नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव में पांच विधान पार्षदों की जीत के कारण उपचुनाव की जरूरत पड़ी है. पांच नए एमएलसी को चुनने के

लिए मौजूदा विधायक मतदान करेंगे.

संदीप जोशी नागपुर के पूर्व महापौर रहे हैं. वह आरएसएस के गढ़ नागपुर से आते हैं. उन्हें सीएम फडणवीस का करीबी माना जाता है. संजय केनेकर पार्टी के ओबीसी चेहरे हैं. वह छत्रपति संभाजीनगर से आते हैं. पूर्व विधायक दादाराव केचे को विधानसभा चुनाव के समय टिकट नहीं दिया गया था, इसलिए अब उन्हें विधान परिषद में मौका दिया जा रहा है.विधानसभा में पहुंचे विधान पार्षदों में से तीन बीजेपी से हैं, जबकि एक-एक विधायक शिवसेना और एनसीपी से हैं. तीनों ही दल सत्तारूढ़ महायुती का हिस्सा हैं. बीजेपी ने रविवार को उम्मीदवारों की घोषणा कर दी. शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार गुट एनसीपी में नामों को पेंच फंसा है.

नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 20 मार्च

महाराष्ट्र विधान परिषद की 5 सीटों के लिए 17 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे. 18 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी. नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 20 मार्च है. 27 मार्च को मतदान होगा. उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे. महाराष्ट्र विधानसभा में इस समय बीजेपी के 132, शिंदे की शिवसेना के 57 और एनसीपी अजित पवार गुट के 41 विधायक हैं.

मुंबई एयरपोर्ट पर तस्करी का भंडाफोड़

> 4.84 करोड़ रुपये का सोना जब्त, 4 गिरफ्तार

मुंबई.

सीमा शुल्क विभाग ने अलग-अलग अभियानों में 3.67 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया और शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला सहित चार लोगों को गिर अधिकारी ने कहा कि तीनों आरोपी हवाई अड्डे के स्टोर में काम करते थे और कथित तौर पर तस्करी रैकेट के सदस्यों को परिसर से सोना बाहर ले जाने में मदद कर रहे थे.अधिकारी के मुताबिक जब्ती गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि को की गई थी. जिसके बाद सीमा शुल्क अधिकारियों ने संदेह के आधार पर हवाई अड्डे पर काम करने वाले प्रदीप पवार को हिरासत में लिया था.अधिकारियों ने पवार से सोने की धूल के पाउच बरामद किए. पाउच को उसने पैंट में छिपा रखा था. पूछताछ करने पर उसने खुलासा किया कि उसे

बाहर से आए यात्रियों से यह खेप मिली थी. साथ ही पवार ने कहा कि उसे सोना एक अन्य आरोपी मोहम्मद इमरान नागोरी को सौंपना था.

अधिकारी ने कहा कि बाद में पकड़े गए नागोरी ने अंशु गुप्ता का नाम बताया. अंशु हवाई अड्डे पर काम करता था और उसने उसे बाहरी यात्रियों द्वारा तस्करी किए गए सोने की धूल के चार पाउच सौंपे थे. अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर एक रेस्टोरेंट की सेल्स एसोसिएट को भी गिरफ्तार किया है.अधिकारी के मुताबिक आरोपियों को तस्करी के लिए कमीशन मिलता था.

आज का राशिफल

मेष - मेष राशि वालों के लिए दिन लाभदायक रहेगा और आपको सम्मान मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ - वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन सकारात्मक परिणाम दिलाएगा।

मिथुन - मिथुन राशि वालों को आज नौकरी-चाकरी में तरक्की मिल सकती है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क - कर्क राशि वालों को आज महत्वपूर्ण कार्यों को टाल देना चाहिए। धन से जुड़ा कोई फैसला न लें।

सिंह - सिंह राशि वालों का आज मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा।

कन्या - कन्या राशि वालों की आज वाणी में मधुरता रहेगी। पर, मन परेशान भी हो सकता है।

तुला- तुला राशि वालों का आज आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संतुलित रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वालों का आज कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

धनु - धनु राशि वालों का आज मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

मकर- मकर राशि वालों को आज धन लाभ के योग बन रहे हैं। हालांकि किसी बात को लेकर मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। आत्मविश्वास में कमी भी हो सकती है।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के आज आत्मविश्वास में कमी रहेगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार में भी शांति बनाए रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन- मीन राशि वालों का आज मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में संयत रहें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

साइबर चोरों ने ठगे 56 लाख रुपये

पुणे.

शेयर बाजार में निवेश का लालच देकर ठगी का दौर चल रहा है। खुलासा हुआ है कि निवेश का लालच देकर चोरों ने अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों से 56 लाख रुपये ठग लिए। खुलासा हुआ है कि शेयर बाजार में निवेश करने का लालच देकर साइबर चोरों ने मगरपट्टा सिटी क्षेत्र के एक व्यक्ति से 45 लाख 40 हजार रुपये की ठगी की है। इस मामले में हडपसर पुलिस ने साइबर चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में एक व्यक्ति ने हडपसर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मगरपट्टा सिटी इलाके में रहने वाला एक युवक है। पिछले साल चोरों ने उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। चोरों ने उन्हें यह झांसा दिया था कि अगर वे शेयर बाजार में निवेश करेंगे तो उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा। युवक ने पैसे चोरों के खाते में जमा कर दिए। शुरुआत में युवक को पैसे वापस कर दिए गए। युवक ने चोरों की बातों पर विश्वास करके और अधिक पैसा निवेश कर दिया।

पिछले छह माह में युवक ने समय-समय पर 45 लाख 40 हजार रुपए ठगों के खाते में जमा करवाए हैं। युवक द्वारा पैसा निवेश करने के बाद भी उसे कोई धन वापसी नहीं दी गई। युवक को जब यह अहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उसने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक नीलेश जगदाले जांच कर रहे हैं।

आवश्यकता है
रियल एस्टेट एप्पल डेवलपर
जॉब वेकेंसी | अकाउंटिंग
योग्यता
1) हिंदी इंग्लिश टाइपिंग
2) टैली (अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर)
3) एक्सपीरियंस 3 year to 5 year
4) कंप्यूटर नॉलेज
सैलरी योग्यता अनुसार
नोट – resume send on email address and mobile number
Appledevelopers15@gmail.com
Mo - 6267090840

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB — Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

Sabri — Professional DJ & Live Audio Sound Service
:: Booking Show ::
Qawwali, Ghazal. Sugam Sangeet, Jagran, Orchestra, Sufi Night, Celebrity Show, Govt. Meeting, School & College Gatherings, Wedding, Party Shows, Event & All Festival Planings, Trust, Lights, LED Wall.
M. 9503066685
Kharbi Chowk, Nagpur.

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
AU Avani Udyog (MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob – 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET™ SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
› STUDENTS › TEACHERS › HOUSEWIVES › JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।
विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक
मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

सुविचार

"ज्ञान एक ऐसा दीपक है जो
भापके जीवन में प्रकाश फैलाता है।

संपादकीय

हर पर्व पर रक्त आकांक्षा

होली के दिन रंग और उल्लास के बीच मेरा मन डोल रहा था। पिछला पखवाड़ा अपशकुनी संदेशों से बजबजाता बीता था। दो राज्यों में तो देश के दो सबसे बड़े समुदाय भिड़ भी चुके थे। होली परंपरागत तौर पर प्रेम और भाईचारे का त्योहार है। यह त्योहार हम हिन्दुस्तानियों की बीती ताहि बिसारकर आगे की राह पकड़ लेने की रीति-नीति का जीवंत उदाहरण भी है। इस सवाल के जवाब के लिए मैं आपको पत्रकारिता के अपने शुरुआती दिनों में गोते लगाने के लिए आमंत्रित करता हूं। 1980 की दहाई के शुरुआती बरसों की मुझे वाराणसी और इलाहाबाद (माफ कीजिएगा, प्रयागराज) की वे बैठकें याद हैं, जो हर खास त्योहार से पहले कोतवाली में आयोजित की जाती थीं। इनको अमन कमेटी की बैठक कहा जाता था। जिले के आला अफसरों के साथ तमाम पुजारी, संत, मठाधीश, मौलवी, मुफ्ती, मौलाना और अन्य 'संभ्रांत' लोग इनमें हिस्सा लेते। घंटों की बातचीत के बाद हर साल यही निष्कर्ष निकलता कि सभी समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाएंगे। इस दौरान आला अधिकारी चाशनी पगे शब्दों में धमकी देना न भूलते कि कानून हाथ में लेने की जरा सी कोशिश भी महंगी पड़ेगी।

होली पुलिस वालों के लिए अन्य त्योहारों के मुकाबले अधिक कठिनाई लेकर आती। इस वर्ष की भांति पहले भी जब होली जुमे के दिन होती, तो उनकी जान सांसत में पड़ जाती। उस वक्त दोनों समुदायों की संवेदनाओं को आसानी से भड़काया जा सकता था। उत्तर भारत के कुछ शहर ऐसे थे, जहां त्योहारों के आस-पास प्राय: हर साल दंगे भड़क उठते। दंगों के दौरान दोनों धर्मों के कुछ कट्टरपंथी अपने संगी-साथियों पर दबाव बनाते कि भविष्य में 'उन लोगों' से कोई कार्य-व्यापार नहीं रखना है। यह कटुता कुछ दिनों में हवा में कपूर की भांति विलीन हो जाती। लड़खड़ाने और हर लड़खड़ाहट के बाद सम्हलकर आगे चल पड़ने में हम भारतीयों को महारत हासिल है। यहां एक और तथ्य काबिले-गौर है। विश्व के प्रमुख इस्लामी देशों के साथ दिनोंदिन हमारे रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, वहां हिंदू मंदिरों की इजाजत मिल रही है, पिछले वर्ष फरवरी में अबू धाबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां के पहले मंदिर का उद्घाटन किया था। शायद आपको याद हो, एक बार नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में वह भाषण दे रहे थे। इसी बीच किसी मस्जिद से अजान की आवाज आने लगी। उसके सम्मान में मोदी ने भाषण रोक दिया और तब तक शांत खड़े रहे, जब तक अजान पूरी नहीं हो गई। इससे पूर्व तथाकथित गौरक्षकों को भी उन्होंने सार्वजनिक चेतावनी दी थी। इसके बाद सख्ती बढ़ी और 'मॉब लिंचिंग' पर अंकुश भी लगा।

व्यंग्य

पुरुषोत्तम विश्वकर्मा

❐ आज चाचा दिल्लगी दास के चेहरे पर क्रोध, घृणा, प्रतिशोध के मिले-जुले भाव दृष्टिगोचर हुए। और चाचा जब जब भी इस दशा को प्राप्त होते है तो उन शाश्वत क्षुद्र शब्दों का प्रयोग भी खुल कर करते हैं जिनको अपनी शिक्षक लाइफ में प्रायः कर प्रयुक्त करते थे। कह रहे थे बुरा हो उन कमीनों का जिन्होंने हमारे नेताजी की यह हालत कर दी। काया कभी किसी सूदखोर महाजन की भैंस जैसी थी आज वो किसी तपेदिक के मरीज से भी दुबली हो गई है।

नाक की नोंक जो तोते की चोंच सरीखी थी उसकी नोंक काफी घिस गई साफ-साफ मालूम पड़ रही है पता नहीं कितनों ने कहां-कहां कितनी बार रगड़वायी होगी बेचारे से। और कपड़े किसी वॉशिंग पाउडर की कम्पनी के विज्ञापन में दिखाई गई सफेदी से भी ज्यादा धवल रहते थे, आज किसी ट्रेन यात्री की पोशाक को भी परे बिठा रहे थे, कोहनियों के उपर से कुर्ते व घुटनों के उपर से पायजामें की आस्तीनें फटी हुई थी जो चुगली खा रही थी कि पिछले दिनों में से एक भी दिन ऐसा नहीं निकला जिस दिन साष्टांग नहीं करना पड़ा हो। अरे जिस शख्स को किसी के नमस्कार का प्रत्युत्तर देना तक नहीं आता था आज उसे पूरे छः घंटे हाथ जोड़े देखा। चबूतरे पर जमा बुजुर्गों के पांव छुए, कईयों को गले लगाया, कईयों से हाथ मिलाया।

आज उनके चेहरे पर ऐसी दीनता पढ़ी गई जैसी तो दुर्योधन के मुंह पर भीम से जीवन दान मांगते समय भी नहीं देखी गई थी। कहते-कहते चाचा की आंखों में आंसू आ गए, जिनको उसने झट से चुनाव प्रचार के लिए आये पर्दे से पोंछ लिए। मैं पूछने वाला ही था कि चाचा क्या तुम्हारे नसीब में सिर्फ रोना-धोना ही लिखा है, पूरे पांच साल लगातार रोते रहने के बाद आज भी बदस्तुर रो रहे हैं और आज के दिन के लिए कुछ आंसू भी बड़ी हिफाजत से सहेज रखे हैं। मगर यकबयक चाचा बुक्का फाड़ कर के हंस पड़े और अपने जाने पहचाने लहजे में बोल पड़े। रोये मेरी जूती, थोड़ा रो कर तो यह पर्दा झटक लिया था जिसका माकूल इस्तेमाल भी कर दिखाया। अपने नेताजी ने हाथी वाले दांत दिखाए तो जवाब में मैंने घड़ियाली आंसू बहा दिए। अभी तो नेताजी टिकट काटने वालों से निबट कर पत्ता काटने वालों के फेरे में आए हैं। देखना तेरा चाचा क्या कर दिखाता है।

लघुकथा

अपने-अपने हिसाब से

❐ रामेश्वर ने एम.काम.की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी,और नौकरी के लिए जहाँ-वहाँ आवेदन भी कर दिया था. उसे पूरा भरोसा था कि जल्दी ही वह अपनी योग्यता के आधार पर नौकरी पा लेगा. समय बीतता रहा. वह आशाएं संजोता रहा,लेकिन उसे अब तक सफ़लता नहीं मिल पायी थी. कुछ न कुछ तो करना पडेगा, यह सोचकर उसने एक कमरा लेकर कोचिंग-क्लासेस डाल दी. उसमें उसको सफ़लता हाथ लगी. अब वह जमकर रुपिया पीट रहा है. बावजूद इसके मन में एक कसक अब भी बनी हुई थी कि सरकारी नौकरी मिल जानी चाहिए.संयोग से संविदा शिक्षकों की व्हेकंसी निकली और उसने अपना आवेदन प्रस्तुत कर दिया और उसका सिलेक्शन भी हो गया. शहर से पचास किलोमीटर दूर उसकी पोस्टिंग हुई . वह स्थान रेल मार्ग से जुडा था, उसने मंथली पास बनवा लिया था. अब वह रोज सुबह आठ बजे रवाना होकर नौ बजे वहाँ पहुँच जाता और शाम सात बजे उसी ट्रेन में सवार होकर आठ-साढे आठ तक वापिस घर आ जाता और मुँह-हाथ दोकर पुनः अपने सेंटर जा पहुँचता. देर रात तक उसकी कोचिंग कक्षाएं चलती रहती. अब वह दो नावों पर सवार होकर निश्चिन्ता से अपना जीवन यापन करने लगा था. धीरे-धीरे उसकी जान-पहचान अन्य लोगो से भी हुई जो उसकी तरह उप-डाउन करते थे. अब क्या था, ट्रेन में सवार होते ही पत्तों की बाजी लग जाती. सफ़र कैसे कट जाता, पता ही नहीं चल पाता था. कुछ दिनों उसके साथ सफ़र करने वालों में एक मित्र और आ जुडा, जिसके अपनी किराने की दूकान थी. धीरे-धीरे दोनों में काफ़ी अंतरंगता कायम हो चुकी थी. एक दिन उसने अपने मित्र के सामने प्रस्ताव रखते हुए कहा:हम रोज-रोज तो आ -जा ही रहे हैं. यदि बारी-बारी से आने लगे तो क्या फ़र्क पडेगा?. तुम्हारी अनुपस्थिति में मैं सारे पीरियड ले लूँगा, और तुम मेरे पीरियड ले लेना. इस बात पर प्राचार्य मानेंगे अथवा नहीं,मुख्य प्रश्न यह भी था. वे जानते थे कि प्राचार्य भी तो प्रतिदिन अप-डाउन करते हैं और कभी-कभी तो वे लंबा गोल भी लगा जाते हैं. उनके भी तो शहर में अपने बिजिनेस है. अतः ऐसी परेशानी नहीं आएगी,उनका अपना मानना था.अब सब अपने –अपने हिसाब से आने-जाने लगे थे. किसी को किसी ने न तो कोई शिकायत थी और न ही आपत्ति..

पवित्र महीना 'माहे रमज़ान' विशेष

ऐतिकाफ़ की नेमत से महरुम न रहें

डॉ. मोहियुद्दीन ग़ाज़ी

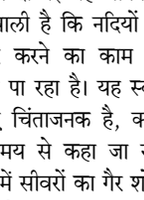

अगर आप के ऊपर मसरूफ़ियात का दबाव है तो छोटी-छोटी अर्थहीन चीज़ों से महरूमी गवारा कर लें , लेकिन ऐतिकाफ़ तो एक अनमोल मौक़ा है इससे महरुमी हरगिज़ कुबूल न करें। याद रखें ऐतिकाफ़ करना मुहल्ले और बस्ती की ज़रूरत नहीं फ़र्द की ज़रूरत और हर फ़र्द की ज़रूरत है। ऐतिकाफ़ मसरूफ़ियात की भीड़ से निकल कर अल्लाह तआला के दरबार से वाबिस्ता हो जाने का नाम है। यह इस बात का ऐलान है कि साल भर कारोबारे ज़िंदगी में घिरे रहे तो यह महज़ अल्लाह की इजाज़त की वजह से था। ऐतिकाफ़ इस बात का इज़हार है कि दुनिया की तमामतर आकर्षण, रौनक़ और काम के हुजूम के बावजूद बंदा सबसे कट कर अपने रब्बे-करीम से जुड़ जाना चाहता है। वक्ती तौर कुछ दिनों के लिए दुनिया वालों के बीच ऐतिकाफ़ का पर्दा डाल लेना इसका अमली सुबूत है कि आम दिनों में ज़िंदगी के कारोबार में व्यस्त रहने के बावजूद वास्तविक संबंध उसी रहमान व रहीम से है। रमज़ानुल मुबारक के आख़िरी अशरे मे ऐतिकाफ़ में बैठ जाना उस शौक़ का शबाब को पहुँच जाना है जो रमज़ान के आग़ाज़ से बढ़ना शुरू हो जाता है। ऐतिकाफ़ की मिसाल देते हुए एक शख़्स ने कहा कि जिस तरह एक ज़रूरतमंद किसी दौलतमंद के दरवाज़े पर जाकर बैठ रहे और कहे कि जब तक मेरी ज़रूरत पूरी नहीं हो जाती मैं इस चौखट से टल नहीं सकता। इसी तरह ऐतिकाफ़ में बैठने वाला बंदा मस्जिद में बैठ रहता है और ज़बाने-हाल से कहता है ऐ रब्बे-रहीम व करीम तू जब तक मेरी मग़फ़िरत नहीं फ़रमा देगा मैं तेरी चौखट पर पड़ा रहूँगा। आम तौर से ज़िंदगी की बेशुमार व्यस्तताएं ऐतिकाफ़ न करने की राह में बाधा बनती हैं लेकिन सच्ची बात तो यह है कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर जितनी ज़िम्मेदारियाँ थीं और जिस क़दर अहम जिम्मेदारियाँ थीं उनकी कल्पना कोई सौदागर या कारीगर कर सकता है न कोई तहरीकी कार्यकर्ता या तंज़ीमी सरबराह कर सकता है। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर मनसब के फ़रायज़ के अलावा घरेलू ज़िम्मेदारियाँ भी दूसरों से ज़्यादा ही थीं। इस सब के बावजूद आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हर साल ऐतिकाफ़ किया करते थे। एक मर्तबा आप सफ़र में थे ऐतिकाफ़ नहीं कर सके तो अगले साल बीस दिन का ऐतिकाफ़ किया। क्या हम और आप रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से ज़्यादा मसरूफ़ हैं? ऐतिकाफ़ सवाब व बरकत का मौसमे बहार है। रमज़ानुल मुबारक की बरकतें ऐतिकाफ़ की हालत में बुलंदियों पर पहुंच जाती हैं। इस मक़ाम पर आकर दुनियादारी की वो बहुत से सी रियायते ख़त्म हो जाती हैं जो आम रोज़ेदार को हासिल होती हैं। इस मकाम पर बंदा सिर्फ अपने रब का होता है। उसकी हर अदा नेकी और हर अमल कारे सवाब होता है। उपासना का बुलंद मक़ाम है जिससे हम दूसरों के हक़ में दस्तबरदार हो जाते हैं। ऐतिकाफ़ का सवाब भी बिल्कुल अनोखे अंदाज़ का है। हदीस पाक के मताबिक ऐतिकाफ़ करने का सवाब तो उसे मिलता ही है उस पर मज़ीद यह कि ऐतिकाफ़ से बाहर रहने वालों को जो नेकी के मौके मिलते हैं उन सबका सवाब उसके आमालनामे में लिख दिया जाता है। ऐतिकाफ़ शख़्सी तरबियत का भी शानदार मौक़ा है। ऐसी एकाग्रता, गंभीरता और समर्पण कि शरीर का रोम-रोम हक़ के लिए समर्पित ही नहीं बल्कि रुचिपूर्ण व बेताब हो, तरबियत के तमाम विशेषज्ञ मिल कर भी फ़राहम नहीं कर सकते। स्कूलों और कॉलेजों के आम छात्रों के लिए जिनकी तालीमी मसरूफ़ियात उन्हें दीनी मालूमात जमा करने और ज़रूरी चीज़ें याद करने का मौक़ा नहीं देती हैं, ऐतिकाफ़ तरबियत का एक बेहतरीन ज़रिया है। दस दिन की साधना (रियाज़त) के असरात साल भर महसूस होंगे। शर्त यह है कि इख़्लास, एकाग्रता और मंसूबाबंदी के साथ ऐतिकाफ़ किया जाए। दीनी मुताले के लिए ऐतिकाफ़ में अपने साथ चयनित (selected) किताबें रखें। ऐतिकाफ़ में कुरआन की आयतें और कुरआनी व मसनून दुआएँ याद कर लें। चूंकि ऐतिकाफ़ का मक़सद इबादत व तरबियत है इसलिए हर उस काम से बचना चाहिए जो उससे ग़ाफ़िल करे। उलमा ने ऐतिकाफ़ में ज़िक्र व तिलावत के बजाए ख़ामोश पड़े रहने से मना किया है। दोस्तों या दूसरे ऐतिकाफ़ करने वाले साथियों के साथ गप्पबाज़ी तो और बुरा काम है । कोशिश रहे कि जो मिलने आये वह आपके पास से ऐतिकाफ़ की बरकत ले कर जाए। मस्जिद का चयन देखभाल कर हो, शोर-शराबा और भीड़-भाड़ से दूर रहना मुनासिब होता है। तमाम तर वक्त तिलावत, गौरो -फ़िक्र, ज़िक्र व दुआ और ख़ालिस दीनी मुताले में गुजरना चाहिए। नफ़्ल नमाज़ों का भी ख़ूउब ख़ूब एहतिमाम हो। बहुत अच्छा हो अगर ऐसी मस्जिद में ऐतिकाफ़ करें जहाँ कोई इल्म वाला शख़्स ऐतिकाफ़ में बैठा हो। इस तरह उनके साथ मिलकर ऐतिकाफ़ से बहुत ज़्यादा फ़ायदा हासिल किया जा सकता है। अच्छी तरह समझ लें कि जो साल भर अपने काम में जितना ज़्यादा मसरूफ़ रहता है ऐतिकाफ़ उसकी उतनी ही ज़्यादा ज़रूरत है ताकि दीनी तालीम व तरबियत के सिलसिले में साल भर जो कोताही रही है उसकी कुछ भरपाई ऐतिकाफ़ की सूरत में हो जाए।

नाकामी की पोल खोलता नदियों का प्रदूषण

❐ जलशक्ति मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई यह जानकारी निराश करने वाली है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने का काम सही तरह नहीं हो पा रहा है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि एक लंबे समय से कहा जा रहा है कि नदियों में सीवरों का गैर शोधित पानी नहीं गिरने दिया जाएगा।

बीते दिनों संसद में दी गई जानकारी से यह पता चल रहा है कि सीवेज सिस्टम की खामी से नदियों को प्रदूषण मुक्त करने में बाधा आ रही है। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही जब गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का अभियान नए सिरे से शुरू किया और इसके लिए एक नई व्यवस्था बनाई, तब यह उम्मीद बंधी थी कि इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने के साथ अन्य नदियों को प्रदूषित होने से रोकने में सफलता मिलेगी, लेकिन स्थिति यह है कि अभी गंगा को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है।नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए, यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है, लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अभी भी नदियों का प्रदूषण जारी है। इसका कारण यह है कि जहां सीवेज शोधन संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, वहीं अनेक शहरों के गंदे नाले अभी तक इन संयंत्रों से नहीं जोड़े जा सके हैं।दुनिया के अन्य देशों की तरह अपने देश में भी तमाम शहर नदियों किनारे बसे हुए हैं।

समय के साथ नदियों के तट पर आबादी का घनत्व भी बढ़ रहा है। इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास सीवेज सिस्टम नहीं है, क्योंकि वह अनधिकृत कॉलोनियों में अधिक रहती है। इसके अलावा शहरों का जो सीवेज सिस्टम है, वह पुराना पड़ चुका है। समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सीवेज सिस्टम पर्याप्त क्षमता के नहीं हैं। वे सीवरों का पूरा गंदा पानी शोधित नहीं कर पाते।

इसके चलते सीवरों का गैर शोधित पानी सीधे नदियों में जाता है। यह स्थिति महानगरों में भी है। पिछले दिनों दिल्ली में सत्ता बदलने के बाद से यमुना की सफाई पर खूब चर्चा हो रही है। चुनाव में यमुना का प्रदूषण एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार भी यमुना को साफ करने की बात करती थी, लेकिन वह नाकाम रही। इसका एक कारण राज्य और केंद्र सरकार का झगड़ा भी रहा। इस झगड़े की वजह से यमुना की सफाई प्राथमिकता नहीं बन सकी।

शायद ही कोई दल हो, जो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात न करता हो, लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। नदियों के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण नगर नियोजन से संबंधित नौकरशाही का नकारापन भी है। नौकरशाही ने नदियों किनारे होने वाली अनियोजित बसाहट को रोकने में उदासीनता का ही परिचय दिया है। उन्होंने इसे लेकर सरकारों को आगाह भी नहीं किया। नदियों के प्रदूषण में नौकरशाही की भूमिका पर कभी कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अच्छा हो कि सरकार इस पर कोई श्वेतपत्र लाए कि नदियां क्यों प्रदूषित हैं? श्वेतपत्र में इसका भी उल्लेख किया जाए कि जब नदियों किनारे बसाहट हो रही था, तब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बढ़ती आबादी के लिए उपयुक्त सीवेज सिस्टम का निर्माण क्यों नहीं करा रहे थे?

यदि यह मान लिया जाए कि पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आखिर इसका क्या मतलब कि अब भी ध्यान न दिया जाए। एक ऐसे समय जब केंद्र के साथ राज्य सरकारों की ओर से नदियों को साफ करने के दावे किए जा रहे हैं, तब सीवेज सिस्टम में सुधार न हो पाना, गंदे नालों का सीवेज शोधन संयंत्रों से न जुड़ पाना और इन संयंत्रों का पूरी क्षमता से काम न कर पाना चकित करता है।

बालकथा

विशस्टार

❍ शाम ढलते ही पिंकी अपने भाई के साथ छत पर आ गई ,दोनों भाई बहन आज खूब मौज मस्ती के मूड में थे ,तभी पिंकी को चिढ़ाते हुए राजू ने आसमान की तरफ इशारा करते हुए कहा ,''पिंकी देखो वह तारा टूट कर तुम्हारे सिर पर गिरने वाला है''। पिंकी ने झट से अपने सिर पर हाथ रखते हुए उपर देखा तो उसे एक टूटता हुआ तारा दिखाई दिया जो तेज़ी से जमीन की तरफ आ रहा था.पिंकी हैरानी से राजू को देखने लगी, उसकी भोली सूरत देख कर राजू जोर जोर से हंसने लगा और ताली बजा कर उसे चिढ़ाने लगा ,''तुम तो एकदम बुद्धू हो,वह कोई टूटता हुआ तारा नहीं है बल्कि उल्का पिंड है, जब दूर उपर आसमान से कोई भी छोटी या बड़ी चट्टान हमारी धरती के वायुमंडल में प्रवेश करती है तो उन में आपसी रगड़ के कारण आग उत्पन्न होती है। धरती उस चट्टान को अपनी तरफ खींचती है तो हमे ऐसा दिखाई देता है जैसे कोई तारा टूट रहा हो ,मेरी भोली बहना,आई बात समझ में पिंकी कहाँ चुप रहने वाली थी वह भी राजू को मुंह चिढ़ा कर बोली ,''तुम भी बुद्धू हो ,भूल गए उस दिन मौसी ने क्या कहा था ,यह तो विश स्टार है ,जब भी यह दिखाई दे तो जल्दी से कुछ मांग लो ,तुम्हारी वह इच्छा जरुर पूरी हो जायेगी''। उसकी बात सुन कर राजू फिर से हंसने लगा ,''नहीं नहीं मेरी नन्ही सी गुड़िया विज्ञान इन बातों को नहीं मानता ,टूटता तारा और कुछ नहीं बस अंतरिक्ष से पृथ्वी पर एक गिरती हुई चट्टान है।

समीक्षा

हैप्पी मत हो बापू!

अपने शहर में पुलिस लेन के आसपास अब चोरी होना आम बात है। शुरू शुरू में अखबार वाले इस खबर को छाप दिया करते थे। पर अब अखबार वाले ऐसी बातों की ओर कोई ध्यान नहीं देते। हम भी नहीं देते। पुलिस वाले तो भला क्यों देंगे? मेरे एक मित्र कैंटोन्मेंट एरिया में रहते हैं। चार दिन पहले तक अघाए नहीं फिरते थे कि शहर में कोई सेफ हो या न, पर हम सेफ हैं। मुझे भी उनके वहां सेफ होने पर बड़ा दुःख होता था। पर मजे की बात उस दिन दिन दहाड़े उनके घर में चोरी हो गई। चोर चारपाई तक उठा कर ले गए। मजा आ गया। सच पूछो कुछ देर के लिए उस वक्त मैं फूला नहीं समाया। हंसते हंसते अचानक जब सामने की दीवार पर नजर गई तो सामने फ्रेम में बंद सदा पिता की तरह उदास रहने वाले बापू भी हंस रहे थे. उन्हें हंसते देख पल भर के लिए मेरी घिग्गी बंध गई। यार! बापू ने भी अब औरों का नुकसान होने पर जश्न मनाना शुरू कर दिया? जब मुझसे रहा नहीं गया तो मैंने पेट पकड़े हंसते हुए उनसे पूछा,'बापू जी! ये क्या?मेरे मित्र के घर चोरी होने पर मेरा खुशी होना तो जायज है पर आपका यों खुशी होना पच नहीं रहा। 'जो तुम सोच रहे हो मेरी खुशी का कारण वो नहीं। तुम्हारे मित्र के घर दिन दहाड़े चोरी होने का दुःख मुझे उतना ही है जितना तुम्हारे मित्र की घरवाली को है. जाकी रही भावना जैसी, मित्र के पीड़ा देखी तिन तैसी। कह वे मुस्कुराते रहे। 'तो आपके हंसने का कारण जान सकता हूं?' मैंने गंभीर होने का नाटक करते पूछा। अमेरिका से मेरे चप्पल,लोटा, थाली, घड़ी,चश्मा मेरे देश आ गए। न भी आते तो भी क्या होता! इसमें इतना इतराने की बात है क्या?आपके चप्पलों के बिना भी संसद में चप्पल तो चल ही रहे हैं। आपके चश्मे के बिना भी तो देश के कर्णधार अपने को देख ही रहे हैं। आपकी घड़ी के बिना भी तो देश में चुनाव हो ही रहे हैं। आपकी थाली के बिना भी तो खाने वाले दिल खोलकर खा रहे हैं। आपके लोटे के बिना भी तो देश अपने अपने कुएं पर मिनरल वाटर पी ही रहा है। अब अगर चश्मा, थाली, लोटा, चप्पल, घड़ी लौट कर आ ही गए तो कौन सा देश में आपका सोचा हो जाएगा बापू! इन चीजों के आने से देश में कौन सी क्रांति आ जाएगी? यह आपके दिमाग की कोरी भ्रांति है। दिल बहलाने के लिए बापू ख्याल अच्छा है। बहला लो दिल बापू! दिल बहलाने के अभी यहां दाम नहीं लगते।' कह मैंने एक बार फिर अपने पिता को पछाड़ने की तरह बापू को पछाड़ अपना सीना गर्व से ऊंचा किया। इस बापू की भी एक मुश्किल है ,वह यह कि सौ बार मुझसे पछाड़ खाने के बाद भी मेरे यहां टिके हुए हैं। ढीठ कहीं के।'मेरे लिए तो बस यह खुशी की ही बात है। और खुशी की बात यह है कि बरसों हो गए थे देश को स्वदेशी चप्पलों पर चले बिना। अब एडीडास के जूते पहनने से सारा देश तो रहा। बड़े दिन हो गए थे अपनी थाली में सत्तू खाए बिना कागज की प्लेट में खाना तो अपनी संस्कृति नहीं. थाली के बिना देश ने कागज की प्लेटों में पिज्जा खा खा कर पेट बिगाड़ लिया, पर्यावरण बिगाड़ लिया। बड़े दिन हो गए थे देश को विदेशी घड़ी से अपने यहां सूरज उगते देखते हुए। मुए सही वक्त का पता ही नहीं लग रहा था। अब अपनी घड़ी में सही वक्त तो देखने को मिलेगा। अब मेरी घड़ी आ गई है, सही समय पर सही कदम तो उठाए जा सकेंगे। अब, देश में सही समय पर सही मर्ज का इलाज तो हो सकेगा। नहीं तो पता ही नहीं चल रहा था कि देश में हो क्या रहा है। और तो और, अब तो ऋतुएं भी समय पर आना भूल रही हैं। मेरा चश्मा आ गया है, अब यहां की समस्याओं को विदेशी आंखों से देखना तो रूकेगा। अब सरकार को सब ठीक दिखेगा। अब सरकार को जो भूखे हैं, भूखे ही दिखेंगे।

आलेख

शरीर का क्षरण करता है मुफ्त का खान-पान

❐ जन्म लेने के बाद मृत्यु होने तक शरीर को संभाल कर हृष्ट-पुष्ट बनाए रखने और स्वस्थ रखने के सभी प्रकार के प्रबन्ध करना इंसान का अपना व्यक्तिगत उत्तरदायित्व है। जब तक आत्मनिर्भरता प्राप्त न हो जाए तब तक हमारे शरीर की देखभाल घर-परिवार वालों के जिम्मे होती है अथवा अन्य संरक्षकों के जिम्मे।समझदार होने और अपने पैरों पर खड़े हो जाने के बाद अपने शरीर का पोषण करने के लिए खान-पान और रहन-सहन जैसे तमाम विषयों की जिम्मेदारी हमारी होती है। इसके लिए हम सभी के लिए भगवान और प्रकृति ने अपने-अपने हिसाब से हमें हुनर और ज्ञान दिया है जिससे प्राप्त पुरुषार्थ के सहारे हम जीवन चलाते हैं।

अपने जीवन के लिए खान-पान, पहनने के लिए कपड़े और रहने के लिए छत पाने की सारी ही जिम्मेदारी हमारी अपनी ही है, इसके लिए हमें अपने पुरुषार्थ पर निर्भर रहने की जरूरत है। हम जो कुछ खान-पान करते हैं, जो कपड़े पहनते हैं और जो कुछ ग्रहण करते हैं वह अपनी कमाई का होना जरूरी है। शरीर निर्माण और पुष्टि का सिद्धान्त यही है कि हमारा शरीर तभी बौद्धिक, मानसिक और शारीरिक रूप से सुदृढ़ एवं परिपक्व होता है जबकि उसके निर्माण में हमारी अपनी कमाई का पैसा लगा हो, हमारी मेहनत का हो, हमारे पुरुषार्थ का हो।जिन लोगों का शरीर अपनी ही कमाई के पैसों से बना होता है उनसे बीमारियाँ दूर रहती हैं और शारीरिक सौष्ठव एवं शरीर संरचनाओं के निर्माण में मौलिकता का प्रभाव अक्षुण्ण बना रहता है। इन लोगों की संरचनात्मक मौलिकता बरकरार रहने के कारण इनका शरीर ओज से भरा होता है, चेहरे पर तेज होता है और वाणी से लेकर सभी प्रकार की कर्मेन्द्रियों और ज्ञानेन्द्रियों में ओज-तेज सहज ही देखा जा सकता है।अपने आपको बनाने और विलक्षण व्यक्तित्व पाने की कोशिश तभी सफल सिद्ध हो सकती है जबकि हमारे निर्माण में अपना ही पैसा, कपड़े-लत्ते और खान-पान का उपयोग किया गया हो। इस सिद्धान्त का जो इंसान जिन्दगी भर पालन करता है वह सदा स्वस्थ, सुखी और मस्त बना रहता है और मौलिकता के सारे आयामों में खरा उतरते हुए सुखद अंत को प्राप्त होता है। अधिकांश लोग खान-पान और उपहारों की प्राप्ति, औरों के भरोसे जीवनयापन तथा पराश्रित जिन्दगी जीने को अपनी समृद्धि का मूल कारण मानते हैं।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

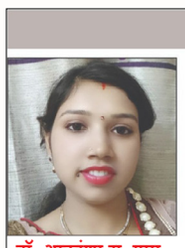
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 17 मार्च 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायकः विधायक मुनगंटीवार

> सशक्त महिलाएं, समृद्ध समाज और देश के विकास की असली ताकत - सौ. सपना मुनगंटीवार

> पोंभूर्णा में महिला सांस्कृतिक महोत्सव और कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान

चंद्रपूरः

महिला शक्ति है। अगर उसे उचित अवसर मिले तो वह किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से आगे जा सकती है। महिलाएं केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी प्रभावी तरीके से निभा सकती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है, ऐसा विचार राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक कार्य और मत्स्यव्यवसाय मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने व्यक्त किया।

यह विचार पोंभूर्णा में आयोजित महिला सांस्कृतिक महोत्सव और कर्तृत्ववान महिलाओं के सम्मान समारोह में आ. मुनगंटीवार ने व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में सौ. सपना मुनगंटीवार, संध्या ताई गुरनुले, अल्का ताई आत्राम, सुलभा ताई पिपरे, विद्याता देवी आदि की उपस्थिति रही।

विधायक श्री. मुनगंटीवार ने कहा, "सिर्फ सांस्कृतिक प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान करने के लिए भी यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है।"

कार्यक्रम में बोलते हुए सौ. सपना मुनगंटीवार ने कहा, "महिला में अपार शक्ति होती है। यदि महिलाएं संकल्प लें, तो वे पूरी दुनिया को जीत सकती हैं। महिलाएं सृष्टि सृजन, पालन और नई पीढ़ी को ढालने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। मां पहली गुरु होती है और समाज में अच्छे संस्कारों का प्रसार करती है। महिलाएं अपनी दिनचर्या के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें, क्योंकि सशक्त महिला सशक्त समाज और सशक्त देश का निर्माण कर सकती है, जो देश के विकास की असली ताकत है," ऐसा विचार सौ. सपना मुनगंटीवार ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की भीड़ देखकर सौ. सपना मुनगंटीवार ने कहा, "इस कार्यक्रम के माध्यम से मानो एक शक्तिपीठ ही स्थापित हो गया हो।"

इस मौके पर विधायक सुधीर मुनगंटीवार के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए सौ. सपना मुनगंटीवार ने कहा, "गरीब, पिछड़े, शोषित, पीड़ित, अंधे, अपंग और निराधारों के लिए हमेशा सुधीरजी सक्रिय रहे हैं। बल्लारपूर विधानसभा का सर्वांगीण विकास उनके नेतृत्व में हुआ है। वे महिलाओं और किसानों के हित के लिए विधानसभा में हमेशा आवाज उठाते रहते हैं। वे हमेशा पूरे निर्वाचन क्षेत्र को एक परिवार के रूप में मानते हैं," ऐसा भी सौ. सपना मुनगंटीवार ने अपनी भावनाएं व्यक्त की।

महिलाओं का सत्कार

इस कार्यक्रम में शीतल लेनगुरे, खुशाली सातपुते, रूपाली भाकरे, भाग्यश्री देठे, आशा झाडे, शालिनी कुमरे, संगीता कुळमेथे, सविता मडावी, सरिता मून जैसी विभिन्न क्षेत्रों में कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान विधायक श्री. सुधीर मुनगंटीवार के हाथों किया गया।

चंद्रपुर किला

चंद्रपुर किला, जिसे चंद्रपुर किला के नाम से भी जाना जाता है, भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित चंद्रपुर की समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का प्रमाण है। शहर का नाम, 'चंद्रपुर', किले से ही लिया गया है, जो दर्शाता है कि किला शहर की पहचान में एक महत्वपूर्ण स्थल था। ऐतिहासिक महत्व चंद्रपुर किले का इतिहास 13वीं शताब्दी का है। ऐसा माना जाता है कि मूल रूप से गोंड राजाओं ने किले का निर्माण किया था, जिन्होंने इस क्षेत्र पर शासन किया था। बाद में, किले ने ब्रिटिश नियंत्रण में आने से पहले नागपुर के भोंसले राजाओं के शासन को देखा। चंद्रपुर में पर्यटन चंद्रपुर ऐतिहासिक रूप से इतिहास, वास्तुकला और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख स्थान रहा है। किला, एक केंद्रीय आकर्षण होने के नाते, शहर के पर्यटन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक इसकी स्थापत्य भव्यता की झलक पाने और शहर के गौरवशाली अतीत के बारे में जानने के लिए किले का दौरा करते हैं। किले की ऊंची दीवारें, बुर्ज और प्रवेश द्वार मध्ययुगीन काल की जीवंत याद दिलाते हैं।

किले के अलावा, चंद्रपुर में अन्य आकर्षण हैं जिन्होंने इसके पर्यटन पोर्टफोलियो में योगदान दिया है, जैसे कि ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, जो वन्यजीव सफारी प्रदान करता है जो प्रकृति उत्साही लोगों के बीच उच्च मांग में है। नवीनतम पर्यटन रुझान हाल ही में, चंद्रपुर में इको-पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन पर जोर बढ़ा है। ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व न केवल जैव विविधता के लिए एक आश्रय स्थल है, बल्कि एक प्रामाणिक वन्यजीव अनुभव की तलाश करने वाले आगंतुकों को आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सरकार और स्थानीय निकायों ने पर्यटक बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे चंद्रपुर किले की यात्रा अधिक सुलभ और आनंददायक हो गई है। किले और आसपास के ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के प्रयास अधिक प्रमुख हो गए हैं, जो शहर की समृद्ध विरासत को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं जिम्मेदार पर्यटन को सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयास, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए पर्यावरणीय स्थिरता और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, एक उच्च प्राथमिकता है। निष्कर्ष चंद्रपुर किले ने अपनी सीमाओं के भीतर एक महत्वपूर्ण इतिहास को देखा है और महाराष्ट्र में ऐतिहासिक पर्यटन का एक प्रतीक बना हुआ है। जैसे-जैसे पर्यटन के रुझान विकसित होते हैं, चंद्रपुर अपने इतिहास और संस्कृति को सबसे आगे रखते हुए नई मांगों के अनुकूल हो रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि चंद्रपुर किले की विरासत भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवित रहे।

ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व

❐ ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में एक प्रमुख बाघ टी-44 (बजरंग) की छोटा मटका नामक एक अन्य बाघ के साथ क्षेत्रीय लड़ाई में मृत्यु हो गई। यह रिजर्व महाराष्ट्र राज्य के चंद्रपुर जिले में स्थित है जो नागपुर शहर से लगभग 150 किमी दूर है। ताडोबा राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1955 में की गई थी तथा अंधारी वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी। इन दोनों को मिलाकर वर्ष 1995 में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व बनाया गया। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 1,727 वर्ग किमी है। यह महाराष्ट्र का सबसे पुराना और सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। 'ताडोबा' का अर्थ 'ताडोबा' शब्द भगवान के नाम "ताडोबा" या "तरु" से लिया गया है तथा "अंधारी" शब्द इस क्षेत्र में बहने वाली अंधारी नदी के नाम से लिया गया है। इन दोनों शब्दों को मिलाकर ताडोबा अंधारी राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया है। वर्ष 2010 की राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार, इस रिजर्व में लगभग 43 बाघ थे। यह राष्ट्रीय उद्यान प्रत्येक मौसम में 15 अक्टूबर से 30 जून तक पर्यटकों के लिए खुला रहता है तथा प्रत्येक मंगलवार को पूरे दिन बंद रहता है। ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में पाये जाने वाले वनस्पति, यहाँ पर उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते हैं जिनमें सागौन प्रमुख वृक्ष प्रजाति है। इसके अतिरिक्त यहाँ पर ऐन, बीजा, धौड़ा, हल्द, सलाई, सेमल, तेंदू, बहेड़ा, हिरदा, करया गोंद, महुआ मधुका, अर्जुन, बांस, भेरिया, ब्लैक प्लम तथा कई अन्य वृक्ष पाये जाते हैं।

सुधीरभाऊ का मतलब चंद्रपूर जिले के विकास के लिए निरंतर संघर्ष करने

चंद्रपूरः राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक कार्य और मत्स्यव्यवसाय मंत्री, विधायक सुधीरभाऊ मुनगंटीवार हमेशा चंद्रपूर जिले के विकास के लिए कार्यरत रहे हैं। हर बार उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण निधि प्राप्त की है। अब माता महाकाली के यात्रियों के लिए स्वीकृत किया गया 2.90 करोड़ का निधि भी उनकी जनसेवा के प्रति निष्ठा का प्रतीक है, इस शब्दों में भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष राहुल पावडे ने कृतज्ञता व्यक्त की।

चंद्रपूर के आराध्य देवता माता महाकाली के दर्शन के लिए राज्यभर से आने वाले यात्रियों की सुविधाओं के लिए 2.90 करोड़ रुपये का बड़ा निधि स्वीकृत किया गया है। इस निधि के लिए विधायक सुधीरभाऊ मुनगंटीवार ने ठोस प्रयास करते हुए राज्य सरकार से निधि स्वीकृत करवाई। इस बारे में शनिवार, 15 मार्च को भाजपा महानगर द्वारा विधायक श्री. मुनगंटीवार का भाजपा जनसंपर्क कार्यालय चंद्रपूर में सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुरज पेदुलवार, रामपाल सिंग, सविता कांबले, चांद सय्यद, मनोज पोतराजे, धनराज कोवे, रवी चहारे, धम्मप्रकाश भस्मे, संदीप आगलावे, दिनकर सोमलकर, सचिन कोतपल्लीवार, पुरुषोत्तम सहारे, रवी लोणकर, शीलाताई चव्हाण, अजय सरकार, चंद्रकला सोयाम, सुनील डोंगरे, प्रमोद शिरसागर आदि उपस्थित थे।

माता महाकाली के यात्रियों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए भाजपा महानगर द्वारा विधायक मुनगंटीवार को एक ज्ञापन दिया गया था।

रोहिणी आयोग की रिपोर्ट लोकसभा में पेश करेंगे हेमंत पाटिल

>आयोग की सिफारिशें ओबीसी के बीच वंचितों को न्याय दिलाने के लिए महत्वपूर्ण हैं

चंद्रपुर.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश के अधिकांश अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) भाइयों और बहनों, विशेष रूप से इस श्रेणी के उत्पीड़ित, उत्पीड़ित, वंचित और हाशिए पर पड़े लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए देश के दुर्भाग्यपूर्ण नेतृत्व को अपनाया है। एक समिति का गठन किया गया। आयोग की रिपोर्ट ओबीसी के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट की

सिफारिशें देश के सामने पेश की जानी चाहिए। ओबीसी नेता और इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत पाटिल ने मांग की कि सरकार को बजट सत्र के दूसरे चरण में लोकसभा में रिपोर्ट पेश करनी चाहिए।

ओबीसी के लिए आरक्षण लाभों का असमान वितरण चिंता का विषय है। रोहिणी आयोग को लाभ आवंटन सीमा की जांच करने और वैज्ञानिक तरीके से ओबीसी के उप-वर्गीकरण के लिए तंत्र, मानदंड और मापदंड तैयार करने का काम सौंपा गया था। आयोग ने अक्टूबर 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी। आयोग की सिफारिशों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। सरकार को संसद में रिपोर्ट पेश करनी चाहिए।

देश में 2,000 से अधिक ओबीसी हैं। हालांकि, यह पाया गया कि केवल 600 जातियों को आरक्षण का लाभ मिल रहा था। आयोग को केंद्रीय सूची में विभिन्न प्रविष्टियों का अध्ययन करने और किसी भी दोहराव, अस्पष्टता त्रुटियों को सुधारने का काम सौंपा गया था। कई वर्षों के विस्तार के बाद, रोहिणी आयोग ने छह वर्षों के बाद राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंपी। पाटिल ने हालांकि खेद व्यक्त किया कि एक साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। पाटिल ने कहा कि इसलिए वंचितों को न्याय दिलाने के लिए आयोग की रिपोर्ट जल्द से जल्द सामने आनी चाहिए और सरकार को आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए।

'मेरा शारीरिक शोषण हुआ' एरिका फर्नांडेस ने अपने रिलेशनशिप पर की बात

एरिका फर्नांडिस ने शो कुछ रंग पार के ऐसे भी और कसौटी जिंदगी की 2 से टीवी दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई। हालांकि, उनके फैंस को अब उन्हें टीवी शो में देखे हुए काफी समय हो गया है। कुछ साल पहले, अभिनेत्री ने अभिनय से ब्रेक लेने का फैसला किया और दुबई चली गईं। वहीं फैंस को इंतजार है कि एरिका एक बार फिर से पर्दे पर वापसी करेंगी। अब एक्ट्रेस ने अपने पास्ट और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

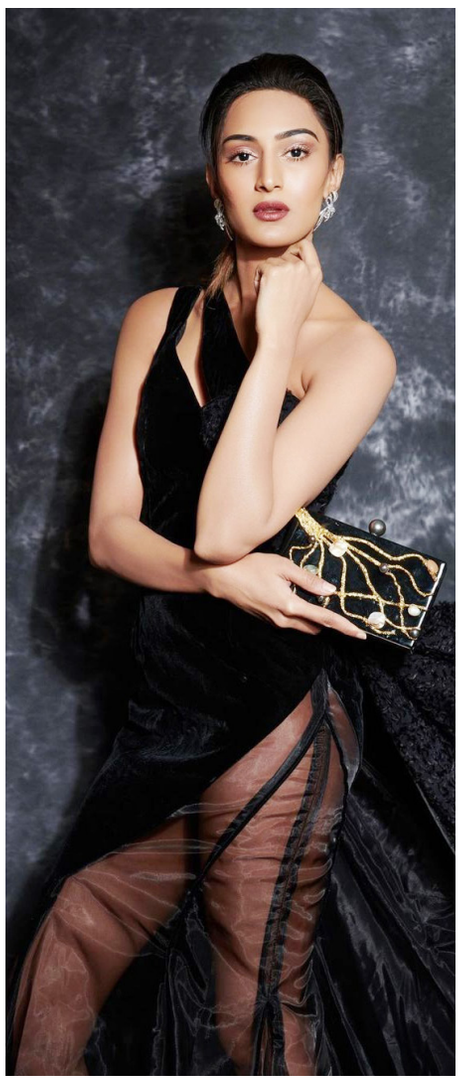

हाल ही में एक बातचीत में एरिका फर्नांडिस ने अपने दिल टूटने और फिर उससे आगे बढ़ने को लेकर बात की। शार्दुल पंडित के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा,"मैं इतने लंबे समय तक अकेली रही क्योंकि मैं आगे नहीं बढ़ पा रही थी। यह पूरा बोझ, ट्रॉमा,अनुभव, विश्वास के मुद्दे... दिल टूटना, निश्चित रूप से मेरे साथ हुआ था, और इसने मुझे उस व्यक्ति के रूप में आकार दिया जो मैं आज हूं। मेरे लिए बहुत सी चीजें बदल गई हैं। मैं अपने जीवन में कठिनाइयों, उतार-चढ़ाव से गुजरी हूं, लेकिन उन अनुभवों ने मुझे आकार दिया है।"

एरिका ने बताया कि उनके रिलेशन में फिजिकल एब्यूज भी था। एरिका ने कहा कि उन्होंने इस बारे में कोई बात इसलिए नहीं कि क्योंकि एक एक्टर होने के नाते आप जो भी कुछ कहते या करते हैं वो न्यूज बन जाता है। अगर मैं पुलिस के पास जाती तो वो न्यूज बन जाती और फिर मीडिया ट्रायल होता। मैं इसको लेकर श्योर भी नहीं थी कि अगर मैं पुलिस के पास जाती हूं तो क्या होगा? मुझे ज्यूडिशियल सिस्टम पर विश्वास नहीं है।

अपने पुराने रिलेशनशिप के बारे में एरिका ने बताया कि उनका एक्स बॉयफ्रेंड चाहता था कि वह एक्टिंग छोड़ दें, 'कई बार लोग ये मानकर आपको अप्रोच करते हैं कि ये एक्ट्रेस है तो इसके कई अफेयर्स होंगे। मेरे पिछले रिलेशनशिप में भी यही हुआ था कि मैं अभी तो एक्ट्रेस हूं लेकिन अगर वो लड़का कहीं दूसरी जगह शिफ्ट होता है तो मुझे पूरी तरह से इंडस्ट्री छोड़नी होगी। ये मेरे रिलेशनशिप की सबसे बड़ी शर्त थी। वह एक्टर नहीं था। एक बिजनेसमैन था। मैं उसे पार्ट-टाइम बिजनेसमैन कहूंगी। और मेरे लिए ये अच्छी बात है कि मैं उससे दूर हो गई।' एरिका ने कहा कि उनका रिश्ता ऐसे मुकाम पर पहुंच गया था, जहां उनका शारीरिक शोषण भी हुआ था।

गोविंदा की वो फिल्म जो कभी नहीं हो पाई रिलीज

हॉलीवुड की वजह से झेला करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली. बॉलीवुड में अगर कॉमेडी फिल्मों की बात होती है तो एक्टर गोविंदा का नाम जरूर लिया जाता है। गोविंदा अपनी कॉमिक टाइमिंग से अपने फैंस को कई फिल्मों में हंसा चुके हैं। आज हम गोविंदा की एक ऐसी कॉमेडी फिल्म के बारे में बता रहे हैं जो कभी रिलीज ही नहीं हो पाई है। फिल्म रिलीज नहीं हो पाई और फिल्म मेकर्स को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ा। ये नुकसान गोविंदा की फिल्म को हॉलीवुड की एक फिल्म की वजह से झेलना पड़ा। गोविंदा की इस फिल्म में लारा दत्ता और तब्बू को भी कास्ट किया गया था। फिल्म का नाम था बंदा ये बिंदास है। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी थी। इस फिल्म का डायरेक्शन दिवंगत डायरेक्टर रवि चोपड़ा ने किया था। हालांकि, फिल्म पर हॉलीवुड की फिल्म माय कजन विन्नी 1992) के मेकर्स ने केस ठोक दिया था। इस वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। इतना ही नहीं, लीगल केस की वजह से फिल्म को करोड़ों का नुकसान भी झेलना पड़ा था। दिया था से मिले 20th सेंचुरी फॉक्स (अब डिज्नी का हिस्सा) ने फिल्म पर केस किया था। उनका कहना था कि गोविंदा की ये फिल्म हॉलीवुड फिल्म माय कजन विन्नी (1992) का अनऑफिशियल रीमेक थी। उन्होंने गोविंदा की फिल्म पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने के लिए केस किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो ये पहली बार था जब हॉलीवुड फिल्ममेकर्स ने पहली बार किसी इंडियन मेकर को कोर्ट में घसीटा था। फॉक्स ने 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर्स का केस किया था, लेकिन गोविंदा की फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने 2 लाख अमेरिकी डॉलर्स (करीब 1 करोड़ 73 लाख रुपये) में मामले को सेटल किया था। कोर्ट में मामला सुलझने के बाद भी गोविंदा की ये फिल्म कभी रिलीज नहीं हो पाई थी। साल 2014 में फिल्म के डायरेक्टर रवि चोपड़ा का निधन हो गया था। उसके बाद फिल्म को कभी दोबारा रिलीज करने का प्रयास नहीं किया गया।

अस्पताल से घर लौटे एआर रहमान

ऑस्कर विनिंग म्यूजिशियन और सिंगर एआर रहमान को लेकर आज सुबह एक बड़ी खबर सामने आई थी. एआर रहमान की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसकी वजह से उन्हें चेन्नई के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया था. रहमान डॉक्टर्स की टीम की निगरानी में थे. मगर अब वो ठीक हैं और अस्पताल से घर लौट आए हैं.

पहले बताया गया था कि एआर रहमान को सीने में दर्द की शिकायत थी, जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया. सूत्रों ने बताया था कि रहमान का एंजियोग्राम किया जा सकता है. रहमान के हॉस्पिटल में भर्ती होने की खबर से उनके तमाम फैंस चिंता में थे और उनके जल्दी ठीक होने की दुआएं कर रहे थे. इस प्रोसेस के दौरान रक्त वाहिकाओं की जांच की जाती है. इस प्रोसेस से किसी भी तरह की ब्लॉकेज और दूसरी दिक्कतों का आसानी से पता चल जाता है. एआर रहमान के मैनेजर ने उनका हेल्थ अपडेट दिया है. पहले ऐसी जानकारी सामने आई थी कि रहमान को सीने में दर्द हुआ था, लेकिन फिर मैनेजर ने बताया कि उन्हें गर्दन में दर्द उठा था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. मैनेजर ने कहा- एआर रहमान को गर्दन में दर्द के कारण अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उनके जरूरी टेस्ट हुए हैं और कुछ घंटों में उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा. रहमान अब बिल्कुल ठीक हैं. वही, ताजा जानकारी के मुताबिक, रहमान को अब अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और वो घर लौट आए हैं. रहमान पूरी तरह से ठीक हैं. घबराने वाली कोई बात नहीं है. एआर रहमान की बात करें तो उन्हें म्यूजिक की दुनिया का बादशाह माना जाता है. उन्हें बचपन से ही संगीत में दिलचस्पी थी. 4 साल की छोटी उम्र में ही वो पियानो सीखने लगे थे. बचपन में ही वो कई सारे म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट्स बजाने लगे थे. एआर रहमान के पिता आर.के शेखर तमिल और मलयालम फिल्मों के बड़े म्यूजिक कंपोजर थे. रहमान बचपन में ही पिता को म्यूजिक में असिस्ट करने लगे थे. इसी तरह उनकी सिंगिंग की जर्नी शुरू हुई. लेकिन जब वो 9 साल के थे, तभी उनके सिर से पिता का साया उठ गया था. ऐसे में उन्हें छोटी उम्र में ही पढ़ाई के साथ काम करके परिवार को सपोर्ट करना पड़ा था.

सिकंदर की रिलीज से पहले सलमान खान ने बदला अपना हुलिया

नई दिल्ली. टाइगर 3 के बाद सलमान खान को फुल स्वैग में बड़े पर्दे पर नहीं देखा गया है। वह सिंघम अगेन और बेबी जॉन जैसी फिल्मों में कैमियो रोल में नजर आए हैं लेकिन लीड कैरेक्टर में उन्हें डेढ़ साल बाद देखा जाएगा। उनकी आगामी फिल्म सिकंदर अब रिलीज होने के लिए तैयार है।

पिछले काफी समय से सलमान खान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की तैयारियों में जुटे थे। उन्होंने इस फिल्म के लिए अपना लुक भी चेंज कर दिया था। अब जबकि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है तो अभिनेता एक बार फिर अलग अवतार में नजर आए हैं।

शनिवार की शाम को सलमान खान को एक नए लुक में देखा गया। वह मुंबई में एक डबिंग स्टूडियो के बाहर स्पॉट हुए। इस दौरान वह क्लीन शेव लुक में दिखे। वह डबिंग स्टूडियो से बाहर निकलकर गाड़ी में बैठते हुए नजर आए। वह ब्लू व्हाइट कलर की टीशर्ट पहने थे और अपना लुक लुई विटॉन की जैकेट से पूरा किया था। ब्लैक कैप लगाए सलमान खान अपनी डैशिंग लुक में चार-चांद लगा रहे थे। उनका ऐसा हुलिया देख यह माना जा रहा है कि अभिनेता ने सिकंदर की शूटिंग पूरी कर ली है।

एआर मुरुगदास के निर्देशन में बनी सिकंदर को ईद पर रिलीज किया जाना है। इन दिनों फिल्म के ट्रेलर को जारी करने की तैयारी चल रही है। जबरदस्त टीजर के बाद अब लोगों को इंतजार ट्रेलर पर है। फिल्म में सलमान के अलावा रश्मिका मंदाना, शरमन जोशी, काजल अग्रवाल और प्रतीक बब्बर जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

यूजर्स दे रहे हैं ऐसे रिएक्शन

सलमान खान का ऐसा हुलिया देख लोग भी अपना रिएक्शन देने से खुद को रोक नहीं पाए। 60 साल के भाईजान को देख एक यूजर ने कहा, "मस्त लुक भाईजान। होली की हार्दिक शुभकामनाएं। उम्र के हिसाब से अभी हैंडसम लुक है भाई का।" एक ने कहा, "भाई नहीं रहे अब, दादा लग रहे हैं।" एक ने कहा, "मुझे लगा धरम पाजी हैं।" एक ने कहा, "बस भाई का अभी हो गया। भाई अभी हीरो नहीं हीरो के पापा लग रहे हैं।" इसी तरह लोग लेटेस्ट लुक देख उन्हें बुड्ढा बता रहे हैं।

सनी देओल का डांस, इजिप्ट वाली चाल और मॉडर्न लव स्टोरी का बवाल

आदर्श गौरव बॉलीवुड के दमदार यंग एक्टर्स में से एक हैं. 'द वाइट टाइगर', 'खो गए हम कहां' और सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में अपने टैलेंट का दम दिखा चुके आदर्श अब एक दिलचस्प कहानी में नजर आने वाले हैं. हाल ही में उनकी नई फिल्म 'तू या मैं' का अनाउंसमेंट वीडियो आया है, जिसमें उनके साथ संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर हैं.

अनाउंसमेंट वीडियो में शनाया और आदर्श यंग कंटेंट क्रिएटर्स के रोल में नजर आ रहे हैं, जो अचानक से टकरा जाते हैं और साथ में कोलेबोरेशन प्लान कर रहे हैं. दोनों एक झील में खड़े हैं और तभी सीन में एक मगरमच्छ की एंट्री होती है. वीडियो के अंत में आदर्श गौरव गायब हैं और शनाया चीख रही हैं. क्या हुआ? कैसे हुआ? इसका सस्पेंस अनाउंसमेंट वीडियो में सॉलिड लग रहा है. लेकिन लोगों का ध्यान एक गाने पर अटक कर रह गया है, जो इस वीडियो के बैकग्राउंड में बज रहा है. गाने के बोल हैं 'चोरी चोरी जब यूं हों आंखें चार क्या होता है.' ये गाना जितना दिलचस्प है, इसकी महिमा भी उतनी ही मजेदार है. 'तू या मैं' के अनाउंसमेंट वीडियो में सुनाई दे रहा 'चोरी चोरी जब यूं हों आंखें चार' असल में 1989 में आई फिल्म 'पाप की दुनिया' का गाना है. बप्पी लहरी का कंपोज किया और किशोर कुमार का गाया ये गाना अपने वक्त में बहुत पॉपुलर हुआ था. ये गाना सनी देओल और नीलम पर फिल्माया गया था. आज सनी देओल का उनके डांस के लिए काफी मजाक बनाया जाता है लेकिन इस गाने में वो नीलम के साथ काफी एनर्जी और फीलिंग के साथ डांस करते नजर आए थे. इस गाने के पीछे एक किस्सा ये है कि डायरेक्टर पहलाज निहलानी ने 'पाप की दुनिया' पहले धर्मेंद्र को ऑफर की थी. लेकिन धर्मेंद्र ने पहलाज से कहा कि अगर वो सनी को कास्ट करते हैं तो उनकी अगली फिल्म में वो आधी ही फीस लेंगे. इस शर्त पर 'पाप की दुनिया' में सनी देओल की एंट्री हुई और उनके साथ चंकी पांडे को भी कास्ट किया गया. ये पहली फिल्म थी जिसमें सनी और चंकी ने साथ काम किया और इसके बाद 'विश्वात्मा', 'लुटेरे, 'इंसानियत' और 'कसम' में भी साथ नजर आए. 'पाप की दुनिया' की कहानी काफी हद तक अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना की फिल्म 'परवरिश' जैसी थी. सनी देओल का किरदार विनोद खन्ना जैसा था और चंकी पांडे का अमिताभ बच्चन जैसा. लेकिन सिर्फ इस फिल्म की कहानी ही किसी दूसरी फिल्म से 'प्रेरित' नहीं है. बल्कि सनी देओल और नीलम का गाना भी एक पॉपुलर हॉलीवुड गाने से 'प्रेरित' था. और इतना ज्यादा प्रेरित कि दोनों गानों की धुन बिल्कुल एक जैसी थी.

पॉप कल्चर में गानों की रैंकिंग तय करने वाली बिलबोर्ड मैगजीन ने 1987 में जिस गाने को नंबर 1 पर रखा था उसका टाइटल था 'वॉक लाइक एन इजिप्शियन'. हिंदी में इसका लाइन का मतलब होगा 'इजिप्ट के बाशिंदे की तरह चलो.' सनी देओल की फिल्म 'पाप की दुनिया' में बप्पी लहरी ने इसी गाने की धुन को इस्तेमाल करने 'चोरी चोरी जब यूं हों आंखें चार बनाया था.

ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी एसआरएच के इंट्रा स्क्वॉड मैच में 137 रन

नई दिल्ली. ईशान किशन ने सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में पहला मैच खेला. ये एक प्रैक्टिस मैच रहा, जो कि इंट्रा स्क्वॉड खेला गया. एसआरएच की टीम ने दो हिस्सों में बंटकर ये मैच खेला. ईशान किशन इस मैच में कुल 58 गेंदों पर 137 रन बनाए. अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से उन्होंने एसआरएच मैनेजमेंट और काव्या मारन को एक बड़ा पैगाम देने की कोशिश की है. अब अगर वो पैगाम एक तीर की तरह निशाने पर लगा तो ये कहना गलत नहीं होगा कि एसआरएच टीम इंडिया में ईशान किशन की वापसी करा सकती है.

सबसे पहले तो मुकाबले की बात करते हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के इंट्रा स्क्वॉड मैच की खास बात ये रही कि ईशान किशन को टीम ए और टीम बी, दोनों की तरफ से बल्लेबाजी का मौका मिला. और, इसका ईशान किशन ने पूरा फायदा उठाया और मैच में कुल 137 रन ठोक दिए.

1 ईशान, 2 पारी, 58 गेंद, 137 रन

टीम ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 260 रन का बड़ा स्कोर बनाया था. जवाब में टीम बी 261 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 के पार तो पहुंची मगर टारगेट से थोड़ी दूर रह गई. दोनों ही टीमों की ओर से हुई ताबड़तोड़ बल्लेबाजी में ईशान किशन की भूमिका अहम रही. उन्होंने पहले टीम ए के लिए बल्लेबाजी की और 28 गेंदों में 64 रन बनाकर आउट हुए. उसके बाद जब टीम बी से खेलने उतरे तो 30 गेंदों में 73 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए. ये दोनों ही पारियां ईशान किशन ने ओपनर करते हुए खेलीं. उन्होंने 58 गेंदों पर 137 रन भी दोनों पारियों को मिलाकर जड़े.

काव्या मारन और एसआरएच मैनेजमेंट को दिया ये पैगाम

एसआरएच के पहले इंट्रा स्क्वॉड प्रैक्टिस मैच में अपनी बल्लेबाजी के बेजोड़ नमूना पेशकर ईशान किशन ने टीम मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी की मालकिन काव्या मारन को एक बड़ा पैगाम दिया है. पैगाम ये है कि उन्होंने सनराइजर्स की प्लेइंग XI में खुद की जगह को पक्की करने का शंखनाद कर दिया है. उन्होंने बता दिया कि वो बेंच पर नहीं बैठने वाले बल्कि मैदान पर उतरकर विरोधियों के दांत खट्टे करने का इरादा रखने वाले हैं.

एसआरएच करवाएगी टीम इंडिया में वापसी!

इसमें दो राय नहीं ईशान किशन जिस तरह के फॉर्म में हैं. जिस तरह से वो बल्लेबाजी करते, चौके छक्के की बारिश करते देखे गए, ऑरेंज आर्मी की प्लेइंग XI में उनकी जगह बननी पक्की है. और, अगर ऐसा है तो फिर एसआरएच के इस फैसले के जरिए ईशान किशन को वो लाइसेंस मिल जाएगा, जिसके दम पर वो आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी का जौहर तो दिखा पाएंगे ही, साथ ही टीम इंडिया में वापसी का दरवाजा भी खोल सकेंगे.

पीएम मोदी ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट राइवलरी पर साझा किए अपने विचार

नई दिल्ली. भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट राइवलरी दुनिया भर में मशहूर है. दोनों देशों के ऐतिहासिक, राजनीतिक और सैनिक तनावों को देखते हुए ये राइवलरी और भी ज्यादा तीखी हो जाती है. ऐसे में जब भी दोनों देशों के बीच कोई मुकाबला होता है तो सबकी नजरें टिकी होती हैं, जिसमें सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि मशहूर सेलिब्रिटी और राजनेता भी टकटकी लगाकर देखते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मामले में किसी से अलग नहीं हैं और अब उन्होंने बिना ज्यादा कुछ कहे, साफ बता दिया कि दोनों देशों की क्रिकेट टीम में से कौन ज्यादा बेहतर है.

अमेरिका के जाने-माने कंप्यूटर साइंटिस्ट और अपने पॉडकास्ट के जरिए मशहूर हो चुके लेक्स फ्रिडमैन के साथ खास इंटरव्यू में पीएम मोदी ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट पर अपने विचार साझा किए. इस इंटरव्यू में फ्रिडमैन ने खेलों को लेकर और खास-तौर पर भारत-पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों को लेकर सवाल किया. इस पर पीएम मोदी ने कहा कि खेलों को काम ऊर्जा भरना है और इसे वो मानव के विकास के रूप में देखते हैं. उन्होंने साथ ही कहा कि वो खेलो को बदनाम होते हुए नहीं देखना चाहते.

मगर भारत और पाकिस्तान में से कौन सी टीम बेहतर है? इसके जवाब में पीएम मोदी ने ये साफ बोला कि वो तकनीक के विशेषज्ञ नहीं हैं. फिर भी उन्होंने अपने ही अंदाज में बता दिया कि कौन सी टीम अच्छी है. लेक्स फ्रिडमैन से बात करते हुए मोदी ने कहा, "कौन अच्छा या कौन बुरा है, खेल की तकनीक के बारे में तो मैं नहीं कह सकता, मैं इसका एक्सपर्ट नहीं हूं, जो लोग इसको जानते हैं, वो ही बता सकते हैं. मगर कुछ परिणामों से पता चलता है, जैसे कुछ दिनों पहले भारत-पाकिस्तान के बीच मैच हुआ, तो जो परिणाम आया, उससे पता चलेगा कि कौन सी बेहतर टीम है."

अब हालिया नतीजा क्या था, ये किसी से छुपा नहीं है. भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी में टक्कर हुई थी. यहां टीम इंडिया ने एक बार फिर एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हरा दिया था. इसी तरह पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और उससे पहले 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराया था. जाहिर तौर पर पीएम मोदी को भी ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि कौन सी टीम अच्छी है. उन्होंने अपने मजेदार अंदाज से बता दिया कि पाकिस्तानी टीम फिलहाल टीम इंडिया के सामने कुछ नहीं है.

आईपीएल 2025: चौंकाने वाली फोटो में दिखा अनसोल्ड खिलाड़ी

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होने जा रही है. ये आईपीएल का 18वां सीजन होगा, जिसके लिए सभी टीमें जमकर तैयारी कर रही हैं. वहीं, एक टीम अपनी खिलाड़ियों की चोटों से भी जूझ रही है. इस टीम के 3 स्टार तेज गेंदबाज अभी तक फिट नहीं हुए हैं. इसी बीच एक टीम के ट्रेनिंग कैंप से एक चौंकाने वाली फोटो सामने आई है. इस फोटो में एक ऐसा खिलाड़ी दिखाई दिया है, जो मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहा था. माना जा रहा है कि इस खिलाड़ी को बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल किया जा सकता है.

आईपीएल 2025 से पहले टीम इंडिया के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर सुर्खियों में आ गए हैं. शार्दुल ठाकुर को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के साथ देखा गया है. शार्दुल ठाकुर को एलएसजी ट्रेनिंग सेंटर में देखे जाने के बाद अफवाहों का बाजार गर्म हो गया है. उन्होंने लखनऊ में एलएसजी के खिलाड़ी और उनके कप्तान ऋषभ पंत के साथ होली भी मनाई थी. इसके अलावा शार्दुल की एलएसजी की ट्रेनिंग किट में भी फोटो वायरल हो रही है.

बता दें, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी मोहसिन खान, आवेश खान और मयंक यादव अभी तक टीम के साथ नहीं जुड़े हैं. इन तीनों खिलाड़ियों को एनसीए की ओर से आईपीएल में खेलने की मंजूरी नहीं मिली है. ऐसे में माना जा रहा है कि शार्दुल ठाकुर की लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में एंट्री हो सकती है. आईपीएल के नियम के मुताबिक, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो फ्रेंचाइजी उस खिलाड़ी की जगह स्क्वॉड में अनसोल्ड खिलाड़ियों में से किसी एक को शामिल कर सकती है.

शार्दुल ठाकुर आईपीएल में अभी तक 5 टीमों का हिस्सा रहे हैं. इस दौरान उन्होंने 95 मैच खेले हैं. इन मैचों में उन्होंने 9.22 की इकॉनमी से 94 विकेट हासिल किए हैं. वहीं, 307 रन भी बनाए हैं. शार्दुल ठाकुर आईपीएल के पिछले सीजन में सीएसके की टीम का हिस्सा थे.

कोहली के पास आईपीएल 2025 के पहले मैच में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने का मौका

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 शुरू होने में अब महज 1 हफ्ते से भी कम समय रह गया है. इसका पहला मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा. इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपनी टीम आरसीबी से जुड़ गए हैं. 22 मार्च से शुरू हो रहे इस सीजन के पहले ही मैच में उनके पास एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा. अगर कोहली इस मुकाबले में शतक लगाते हैं तो वो ऐसा कमाल कर देंगे, जो टी20 क्रिकेट में अभी तक कोई भी भारतीय बल्लेबाज नहीं कर पाया है. आखिर क्या है ये खास कारनामा?

बड़े रिकॉर्ड की ओर कोहली

दरअसल, विराट कोहली अपने टी20 करियर में अब तक 9 शतक लगा चुके हैं. इसमें 8 सेंचुरी आईपीएल में, वहीं 1 इंटरनेशनल टी20 मैचों में आया है. अगर कोलकाता के खिलाफ ओपनर मुकाबले में वो 1 और शतक लगा देते हैं, तो टी20 क्रिकेट में उनके नाम 10 शतक हो जाएंगे. इसके साथ ही वे 10 टी20 शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे. अभी तक कोई भी भारतीय क्रिकेटर इस उपलब्धि को हासिल नहीं कर पाया है. हालांकि, कोहली के पास पूरे सीजन में ऐसा करने का मौका होगा. विराट कोहली जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए पूरी संभावना है कि इस सीजन में वो अपना 10वां टी20 शतक पूरा कर लेंगे.

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का भी रिकॉर्ड विराट कोहली के ही नाम है. 8 शतक के साथ वो पहले नंबर पर हैं. इस टूर्नामेंट में उन्होंने पहली सेंचुरी 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ लगाई थी. उस सीजन में उन्होंने 4 शतक ठोक दिए थे. वहीं, आईपीएल में उनका पिछला शतक 2024 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आया था, जहां उन्होंने 72 गेंदों में नाबाद 113 रन बनाए थे. बता दें कोहली के बाद रोहित शर्मा और केएल राहुल सबसे ज्यादा टी20 शतक लगाने भारतीय खिलाड़ी हैं. दोनों के नाम 7-7 टी20 सेंचुरी है.

कोहली का आईपीएल करियर

बात करें विराट कोहली के आईपीएल करियर की तो कोहली ने साल 2008 के सीजन में आरसीबी के लिए डेब्यू किया था. उसके बाद से वो इसी टीम के साथ जुड़े रहे हैं. वो अभी तक 252 मैच खेल चुके हैं, जिसमें 38.67 की औसत और 131 के स्ट्राइक रेट से 8004 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 8 शतक और 55 अर्धशतक निकले हैं. उन्होंने आईपीएल में 272 छक्के और 705 चौके भी जड़े हैं.

जैनिक सिनर पर डोपिंग उल्लंघन का आरोप, 3 महीने का बैन

रोम.

इटली के युवा टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था. लेकिन इसके कुछ हफ्ते बाद ही वो एक डोपिंग मामले में फंस गए हैं. उन पर डोपिंग के उल्लंघन का आरोप लगा है. रिपोर्ट के मुताबिक, वो दो बार डोपिंग टेस्ट में फेल हो चुके थे और वाडा की ओर से प्रतिबंधित पदार्थ 'क्लॉस्टेबोल' के लिए पॉजिटिव पाए गए थे. अब उन्होंने अपनी गलती मान ली है, जिसके बाद वाडा ने उन पर 3 महीने का बैन लगाया है. सिनर ने इस सजा को स्वीकार कर लिया है.

जैनिक सिनर पिछले साल मार्च में ही वाडा की डोप टेस्ट में दो बार फेल हुए थे. इसके बाद उन पर 3.2 लाख डॉलर यानि करीब 2.8 करोड़

का जुर्माना लगाया गया था. साथ ही कुछ समय के लिए सस्पेंड भी किया गया था. लेकिन इसके बाद वो मामले को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में पहुंचे और केस जीतकर बरी हो गए. फिर वाडा ने इस फैसले को चैलेंज किया, जिसकी सुनवाई 11 फरवरी को होनी थी. लेकिन सुनवाई से पहले उन्होंने वाडा के साथ मिलकर सुलह कर ली और अपनी गलती मानते हुए 3 महीने की सजा को स्वीकार किया. यहां सिनर ने बहुत ही बड़ी चालाकी दिखाई. दरअसल, उन्होंने वाडा से ऐसे में बातचीत की, जब वो ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं. वहीं अगले कुछ समय में फ्रेंच ओपन खेलना है.

अगर वो सुनवाई के लिए जाते तो समय बर्बाद होने के साथ 3 से 24 महीने के लिए बैन हो सकते थे और कई टूर्नामेंट मिस कर सकते थे. लेकिन सुलह के कारण उन्हें सिर्फ 3 महीने की सजा मिली है, जो 9 फरवरी से 4 मई तक जारी रहेगी. इसके बाद वो खेलने लिए योग्य हो जाएंगे और आसानी से 25 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा ले पाएंगे.

डोपिंग मामले पर सिनर और वाडा ने क्या कहा?

3 महीने की सजा मिलने के बाद सिनर ने कहा 'यह मामला करीब एक साल से लटका हुआ था और इस प्रक्रिया में अभी भी काफी समय लग जाता. शायद इस साल के अंत में ही इसका फैसला आ पाता. मैं हमेशा से मानता हूं कि अपनी टीम के लिए मैं ही जिम्मेदार हूं. मुझे एहसास है कि वाडा के सख्त नियम मेरे पसंदीदा खेल की सुरक्षा के लिए हैं. इसलिए मैंने जल्दी से मामले को निपटाने के लिए डब्लूएडीए के 3 महीने की सजा के प्रस्ताव को स्वीकार किया.

विराट कोहली ने बीसीसीआई के परिवार से जुड़ी नीति पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली. विराट कोहली 15 मार्च को अपनी आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़े थे. इस दिन फ्रेंचाइजी ने पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में 'इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट' नाम से एक इवेंट का आयोजन किया. इस दौरान टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सीरीज के दौरान परिवार को खिलाड़ियों से दूर रखने को लेकर नाराजगी जताई. आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले उन्होंने बीसीसीआई के इस नियम पर जमकर अपनी भड़ास निकाली. उनका मानना है कि खराब प्रदर्शन से परिवार के सदस्यों का कोई लेना-देना नहीं होता है, बल्कि उनके रहने से प्रदर्शन में सुधार लाने में जरूर मदद मिलती है.

नियम को लेकर क्या बोले कोहली?

विराट कोहली ने टूर के दौरान परिवार की मौजूदगी को सीमित करने

और खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें दोषी ठहराए जाने पर निराशा जताई. उन्होंने कहा, 'लोगों को समझाना बहुत मुश्किल है कि जब भी मैदान पर कुछ गंभीर घटना होती है, तो परिवार के पास लौटना कितना जरूरी होता है. मुझे नहीं लगता कि लोग इस बात को समझते हैं कि यह कितना जरूरी है. इसलिए मैं काफी निराश हूं, क्योंकि जिनका खेल पर नियंत्रण नहीं होता, उन्हें निशाना बनाया जाता है. उन्हें दोष दिया जाता है और बातचीत शुरू हो जाती है कि शायद उन्हें दूर रखने की जरूरत है.'

'प्रदर्शन सुधारने में मिलती है मदद'

विराट कोहली ने आगे समझाया कि कैसे परिवार की वजह से खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को सुधारने में मदद मिलती है. कोहली ने कहा,

'अगर आप किसी भी खिलाड़ी से पूछें कि क्या आप चाहते हैं कि आपका परिवार हमेशा आपके आसपास रहे? तो वो हां कहेगा.' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने कमरे में अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता. मैं सामान्य रहना चाहता हूं और तब आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में देख सकते हैं. आप उस जिम्मेदारी को पूरा करते हैं और फिर सामान्य जीवन में लौट आते हैं.'

क्या है बीसीसीआई का नियम?

टीम इंडिया को पिछले साल घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था. ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो सीरीज जीतने वाली भारतीय टीम का प्रदर्शन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी काफी खराब रहा.

मुंबई इंडियंस महिला टीम ने जीता डब्ल्यूपीएल 2025 का खिताब

नई दिल्ली. मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए महिला प्रीमियर लीग 2025 के रोमांचक फाइनल में मुंबई इंडियंस महिला टीम ने दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम को 8 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 149 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 9 विकेट पर 141 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की। वहीं, इस खिताबी मुकाबले में दो विकेट चटकाने वाली मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमेलिया केर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

हरमन बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 गेंदों पर 66 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल थे। उनकी 150 की स्ट्राइक रेट वाली पारी ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी मिला। दूसरी ओर, नेट स्किवर-ब्रंट ने 28 गेंदों में 30 रन बनाकर टीम को स्थिरता प्रदान की। अंत में अमनजोत कौर (14*) और संस्कृति गुप्ता (8*) ने नाबाद रहकर स्कोर को 149 तक पहुंचाया।

अमेलिया केर और सीवर-ब्रंट ने आधी टीम को किया आउट

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान मेग लैनिंग ने 13 रन बनाए, लेकिन नेट सीवर-ब्रंट ने उन्हें आउट कर दिया। शेफाली वर्मा (4) और जेस जोनासेन (13) सस्ते में पवेलियन लौट गईं। जेमिमा रोड्रिग्स ने 21 गेंदों में 30 रन और मरिजाने कप्प ने 26 गेंदों में 40 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन दोनों को अमेलिया

केर और सीवर-ब्रंट ने चलता किया। अंत में निकी प्रसाद (25*) ने संघर्ष किया, लेकिन टीम 8 रन से चूक गई। मुंबई की ओर से नेट सीवर-ब्रंट ने 3 और अमेलिया केर ने 2 विकेट लिए।

डब्ल्यूपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं अमेलिया केर इस फाइनल में न्यूजीलैंड की 24 वर्षीय लेग स्पिनर अमेलिया केर ने अपनी काबिलियत का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए। फाइनल में उन्होंने जेस जोनासेन को कैच आउट कराया और जेमिमा रोड्रिग्स को अपनी ही गेंद पर कैच लेकर दिल्ली की कमर तोड़ दी। डब्ल्यूपीएल 2025 में 18 विकेट लेकर वह हेली मैथ्यूज (18 विकेट) के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। यह किसी एक डब्ल्यूपीएल सीजन में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड है।

अब तक 29 मैचों में 40 विकेट

अमेलिया केर ने इस सीजन में 10 मैच खेलते हुए 37 ओवर फेंके और 15.94 की औसत के साथ 18 विकेट लिए। केर ने डब्ल्यूपीएल में अब तक 29 मैचों में 40 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/38 रहा है।

कांग्रेस ने बोडो समझौते का उड़ाया मजाक

> अमित शाह ने किया पलटवार

कोकराझार.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समय नॉर्थ-ईस्ट के दौरे पर हैं. रविवार (16 मार्च) को वो असम के कोकराझार में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के 57वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बोडो समझौते पर हस्ताक्षर करने पर हमारा मजाक उड़ाया, लेकिन इस समझौते से बोडोलैंड में शांति और विकास आया.

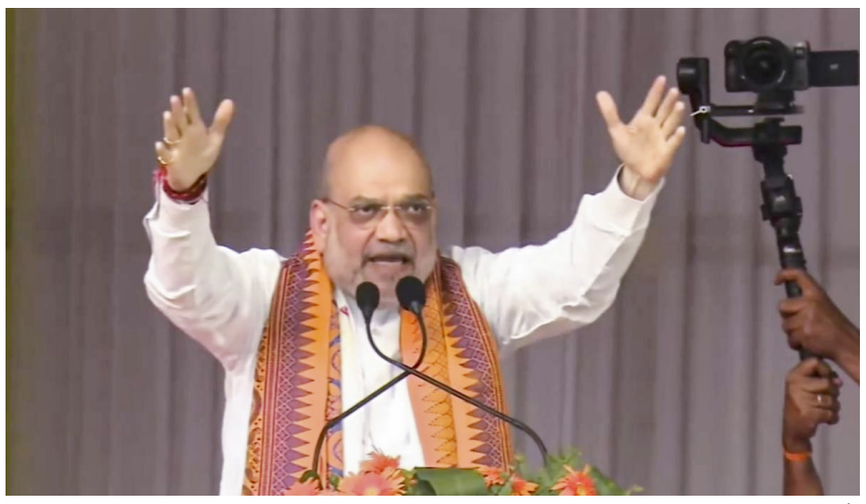

अपने संबोधन में शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने 35 लाख की आबादी वाले बोडोलैंड के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए दिए हैं. बोडो युवाओं से उन्होंने कहा कि 2036 के. ओलंपिक की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, जिसका आयोजन अहमदाबाद में होना प्रस्तावित है. उन्होंने कहा कि बोडो समझौते के 82 प्रतिशत खंड लागू किए जा चुके हैं और अगले दो वर्षों में 100 प्रतिशत लागू कर दिए जाएंगे.केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए समझौते की 100 प्रतिशत शर्तों को लागू करेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शुरुआती शंकाओं के बाद भी असम सरकार और केंद्र ने समझौते की करीब 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया है. उन्होंने कहा कि यह आयोजन बोडोलैंड में स्थापित शांति का संदेश है. शाह ने कहा 'मुझे अभी भी याद है कि 27 जनवरी 2020 को जब बीटीआर (बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, तो कांग्रेस पार्टी मेरा मजाक उड़ाती थी कि बोडोलैंड में कभी शांति नहीं होगी और यह समझौता एक मजाक बन जाएगा'.

'केंद्र ने समझौते की करीब 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया'

शाह ने कहा कि लेकिन आज असम सरकार और केंद्र ने इस समझौते की लगभग 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अगले 2 सालों में समझौते की 100 प्रतिशत शर्तों को लागू करेगी. इसके बाद बीटीआर क्षेत्र में लंबे समय तक शांति बनी रहेगी. उन्होंने बताया कि समझौते के प्रावधानों के तहत 1 अप्रैल, 2022 को पूरे बोडोलैंड क्षेत्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा अधिनियम) को हटा दिया गया है.

चीन और पाक के बीच अविश्वास की स्थिति गहराई

नई दिल्ली.

बलूच लिबरेशन आर्मी ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया। इस घटना से चीन और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ सकता है। चीन, बलूचिस्तान में अपने भारी निवेश को लेकर चिंतित है। वहीं बीएलए बलूचिस्तान के संसाधनों के दोहन के खिलाफ लड़ रही है। वे सीपीईसी में चीनी निवेश को इसी दोहन का हिस्सा मानते हैं। इसलिए वे चीनी नागरिकों और प्रोजेक्ट को निशाना बना रहे हैं।

बलूचिस्तान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर चीनी अधिकारी लगातार चिंता जता रहे हैं। पाकिस्तान ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा में शामिल चीनी कर्मियों की सुरक्षा के लिए 15,000 जवानों वाली स्पेशल सिक्योरिटी डिवीजन तैनात की है। इसके बावजूद चीन को इस अशांत प्रांत में सुरक्षा सुनिश्चित करने की पाकिस्तान की क्षमता पर संदेह गहराता जा रहा है। जाफर एक्सप्रेस हाईजैक से यह अविश्वास और बढ़ेगा।

2017 में चीन ने पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा फर्मों के साथ संयुक्त सुरक्षा उपक्रम स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन पाकिस्तान ने संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ने वाले प्रभावों का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। बीएलए और अन्य विद्रोही समूह चीनी निवेश को बलूच लोगों पर पाकिस्तानी सेना के उत्पीड़न में भागीदारी के रूप में देखते हैं। अगस्त 2023 में हुए एक बड़े हमले सहित सीपीईसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी नागरिकों पर बीएलए के लगातार हमले इस विरोध को बताते हैं।

मोहम्मद शमी की बेटी के होली खेलने पर भड़के मौलाना

नई दिल्ली.

क्रिकेटर मोहम्मद शमी द्वारा रमजान के दौरान रोजा न रखने पर अपराधी बताने वाले मौलवी ने अब तेज गेंदबाज की बेटी के होली मनाने को 'अवैध' और 'शरीयत के खिलाफ' बताया है. शनिवार देर रात जारी एक वीडियो में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा,वह एक छोटी बच्ची है. अगर वह बिना समझे होली खेलती है, तो यह कोई अपराध नहीं है. अगर वह समझदार है और फिर भी होली खेलती है, तो इसे शरीयत के खिलाफ माना जाएगा.

रजवी ने कहा कि उन्होंने शमी को पहले भी इस्लाम के सिद्धांतों का पालन करने की सलाह दी थी. इसके बावजूद, उनकी बेटी का होली मनाते हुए एक वीडियो जारी किया गया. उन्होंने कहा, मैंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों से अपील की है. जो भी शरीयत में नहीं है, उसे अपने बच्चों को न करने दें. होली हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा त्योहार है, लेकिन मुसलमानों को होली नहीं मनानी चाहिए. अगर कोई शरीयत को जानते हुए भी होली मनाता है, तो यह गुनाह है.उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में हाल ही में मिली जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को भी बधाई दी. उन्होंने कहा, "मैं टीम इंडिया के कप्तान, सभी खिलाड़ियों और मोहम्मद शमी को उनकी सफलता के लिए तहे दिल से बधाई देता हूं.

इस महीने की शुरुआत में रजवी ने कहा था कि शमी ने इस्लामी पवित्र महीने रमजान के दौरान रोजा न रखकर पाप किया है. शनिवार के वीडियो संदेश में उन्होंने सुझाव दिया कि शमी समेत जो लोग रोजा नहीं रख सकते, उन्हें रमजान के बाद रोजा रखना चाहिए. रजवी ने शमी को यह भी निर्देश दिया कि वह अपने परिवार के सदस्यों से शरीयत का अपमान न करने का आग्रह करें.

उन्होंने शमी को शरीयत के नियमों का पालन करने की सलाह भी दी थी. रजवी ने कहा था, "शरीयत के नियमों का पालन करना सभी मुसलमानों की जिम्मेदारी है. इस्लाम में रोज़ा रखना अनिवार्य है. अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर रोज़ा नहीं रखता है, तो इस्लामी कानून के अनुसार वह पापी माना जाता है.

क्रिकेट खेलना बुरा नहीं है, लेकिन मोहम्मद शमी को अपनी धार्मिक जिम्मेदारियां निभानी चाहिए. मैं शमी को सलाह देता हूं कि वह शरीयत के नियमों का पालन करें और अपने धर्म के प्रति जिम्मेदार बनें.

पाकिस्तानी डॉन ने ली ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी

जालंधर.

जालंधर के रायपुर रसूलपुर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक व्यक्ति के घर पर ग्रेनेड से हमला किया गया. जिस शख्स के आवास पर ग्रेनेड से हमला हुआ, वह हिंदू है. इस ग्रेनेड हमले में पाकिस्तानी डॉन भट्टी गिरोह की मदद किसी और ने नहीं, बल्कि जीशान अख्तर उर्फ जेसी पुरेवाल ने की थी. यह हमला मुस्लिम समुदाय के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए किया गया था, जिस व्यक्ति के घर पर हमला हुआ,वह एक यूट्यूबर है.हालांकि जालंधर ग्रामीण पुलिस के किसी भी अधिकारी ने इस हमले के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है. दावा किया जा रहा है कि उक्त ग्रेनेड हमले को 5 युवकों ने मिलकर अंजाम दिया है. वीडियो जारी कर शहजाद भट्टी ने कहा कि वो इसलिए फेंका गया, क्योंकि मेरे इस्लाम, मेरे खाना काबा, मेरे नबियों को गालियां निकालता था. ये लोग समझ रहे थे कि हम इनकी इस हरकत को भूल गए हैं. इस बार अगर ये बच गया होगा तो हम दोबारा हमला करेंगे.

बयान में कहा गया कि बाकी मेरे भाई जीशान उर्फ जैसी पुरेवाल (बाबा सिद्दीकी मर्डर का मास्टरमाइंड) और खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मेरी इस काम में मदद की. साथ ही इस हमले में कोई एक दो व्यक्ति नहीं, बल्कि 5 व्यक्ति शामिल थे.वहीं, सारे मामले की देखने के लिए खुद एसएसपी जालंधर देहात गुरमीत सिंह मौके पर पहुंचे. उन्होंने बताया कि एक यूट्यूब डॉक्टर संतु नाम के व्यक्ति के घर में हमले का प्रयास किया गया है उन्हें वहां पर एक संदिग्ध चीज मिली है, जिसे देखने के बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया था. पुलिस ने संदिग्ध चीज को कब्जे में ले लिया है,जिसकी जांच की जाएगी.

एसएसपी ने बताया कि पंजाब सरकार नशे के खिलाफ लगातार कठोर कदम उठा रही है, जिसके चलते बॉर्डर के उस तरफ से नशा बेचने वाले लोग बौखलाए हुए हैं. उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले को हल कर लिया जाएगा.

सिंगरौली में दो टुकड़ों में बंटी इंटरसिटी ट्रेन

> कूदकर पटरियों पर खड़े हो गए पैसेंजर्स

सिंगरौली.

मध्य प्रदेश के सिंगरौली से एक बड़ी खबर आई है। रविवार सुबह सिंगरौली से जबलपुर जा रही इंटरसिटी ट्रेन के आखिरी चार डिब्बे अलग हो गए। यह घटना ब्यौहारी स्टेशन से पहले हुई। गनीमत रही कि ट्रेन की गति धीमी थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और जांच शुरू हो गई है। हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है।

रविवार की सुबह सिंगरौली से जबलपुर जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन के पिछले चार डिब्बे मुख्य ट्रेन से अलग हो गए। यह घटना ब्यौहारी स्टेशन से कुछ पहले हुई। जिस समय यह घटना घटी, उस समय ट्रेन की गति धीमी थी। यही वजह रही कि एक बड़ा हादसा होने से बच गया। कम गति होने की वजह से बड़ा नुकसान नहीं हुआ। यदि ट्रेन तेज गति से चल रही होती तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

घटना के तुरंत बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। डिब्बे अलग होते ही ट्रेन रुक गई और लोग घबराकर नीचे उतरने लगे। सभी यात्री सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। अधिकारी घटनास्थल का जायजा ले रहे हैं और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

रेलवे अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि ट्रेन के डिब्बे क्यों अलग हुए। क्या यह तकनीकी खराबी थी या कोई अन्य कारण था, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पूरी जांच के बाद ही हादसे की असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और पूरी जांच कराने का आश्वासन दिया है।

मृत्यु कुंभ कहने पर ममता पर बरसे सीएम योगी

लखनऊ.

महाकुंभ 2025 खत्म हो चुका है, लेकिन अभी भी इसका जिक्र सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से लगातार किया जा रहा है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहे जाने पर निशाना साधा और कहा, "जो लोग होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में नाकाम रहे, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहा था.

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में आयोजित गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा,"महाकुंभ में पहली बार तमिलनाडु से लोग आए थे. केरल से भी लोग यहां आए थे. उत्तर

प्रदेश की आबादी करीब 25 करोड़ है और होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में होली के दौरान कई जगह उपद्रव हुए. जो लोग होली के दौरान उपद्रव को कंट्रोल करने में नाकाम साबित हुए हैं, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहा था."होली के दिन पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में होली के जश्न के दौरान हुई मारपीट में 20 साल के एक युवक की मौत हो गई. टीटागढ़ में अपने घर के पास दोस्तों के साथ होली खेल रहे आकाश चौधरी उर्फ अमर को तीन-चार लड़कों ने घेर लिया. स्थानीय अधिकारी ने बताया कि बहस शुरू होने पर हमलावरों ने उनकी गर्दन और शरीर के कई हिस्सों पर बार-बार चाकू से हमला किए. महाकुंभ के संगम नोज पर 29 जनवरी की रात हुई भगदड़ के कुछ दिनों बाद, जहां आधिकारिक तौर पर 30 लोगों की मौत की बात कही गई थी, सीएम ममता ने पिछले महीने 18 फरवरी को कहा था कि भगदड़ की घटनाओं की वजह से महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है.

उन्होंने यह भी दावा किया कि महाकुंभ में मौतों के वास्तविक आंकड़े को अधिकारियों ने दबा दिया. पश्चिम बंगाल विधानसभा में अपने भाषण के दौरान सीएम ममता ने कहा था, उन्होंने मौतों के आंकड़े को कम करने के लिए सैकड़ों शवों को छिपा दिया. बीजेपी शासन में महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है.

गोरखपुर में सीएम आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने महाकुंभ में कई राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करने के लिए कुछ राज्यों में मंत्रियों को भेजा और यदि संभव हुआ तो एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की.

शराब की बोतल लेकर स्कूल में घुसा शर्टलेस शख्स

मेरठ.

एक सरकारी स्कूल में शराब के नशे में पहुंचे शख्स के हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. बिना शर्ट स्कूल में पहुंचे शख्स का नाम बबला गुर्जर बताया जा रहा है. वायरल वीडियो में बबला गुर्जर लेडी टीचर्स पर रौब झड़ता दिख रहा है. इस दौरान शख्स ने पहले क्लास में पढ़ाई कर रही बच्चियों को बाहर निकाल दिया और फिर टीचर्स से अभद्र व्यवहार किया.

वीडियो में एक शख्स अर्धनग्न होकर स्कूल में घुसा और जमकर उत्पात मचाने लगा. वीडियो में वह खुद को बबला गुर्जर बता रहा है. उसकी हरकतों ने स्कूल में मौजूद शिक्षिकाओं और मासूम बच्चों को दहशत में डाल दिया. बताया जा रहा है कि इस शख्स ने जबरन बच्चियों को क्लास से बाहर निकाल दिया और शिक्षिकाओं के साथ बदसलूकी करने लगा.वीडियो में दिख रहा है कि बबला गुर्जर ने शर्ट उतार रखी है और शराब की बोतल अंटी में दबाए घूम रहा है. वह स्कूल को अपने गांव का बताते हुए लगातार अजीबोगरीब हरकतें करता रहा. उसने बच्चों को पढ़ाई छोड़ने के लिए कहा और शिक्षिकाओं को ताने मारते हुए उन पर गुस्सा निकालने लगा. इस दौरान जब एक लेडी टीचर ने उसकी हरकतों का वीडियो बनाना शुरू किया तो वह और ज्यादा भड़क गया.

वह लेडी टीचर पर रौब झाड़ते हुए कहने लगा कि तुमने बच्चों को खाने में क्या दिया? दलिया दिया? कुछ नहीं दिया? फिर गाली-गलौज पर उतर आया. वीडियो बनाने वाली टीचर को उकसाने लगा कि बनाओ, बनाओ वीडियो, खूब बनाओ! लेकिन गुस्से में वह इतना आगे बढ़ गया कि महिला से मोबाइल छीनने की धमकी देने लगा. स्कूल में मौजूद स्टाफ और बच्चे सहमे हुए थे, लेकिन बबला गुर्जर को इसकी परवाह नहीं थी . जब स्टाफ ने उसे बाहर बैठने के लिए कहा तो वह टेबल पर चढ़कर मूंछों को ताव देते हुए बड़बड़ाने लगा.वहीं इस मामले में आरोपी को मुकदमा लिखकर गिरफ्तार कर लिया गया है. इस मामले में रौहटा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सहायक अध्यापक ने तहरीर दी थी आरोपी का नाम शिव कुमार है जो कि गांव जटौला का रहने वाला है. शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है.

ट्रंप के कदम से 1,300 स्टाफ की नौकरी खतरे में

नई दिल्ली.

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप ताबड़तोड़ कई फैसले ले रहे हैं। उन्होंने रेडियो चैनल वॉइस ऑफ अमेरिका की पेरेंट कंपनी यूएसएजीएम का कॉन्ट्रैक्ट कैंसल कर दिया है। इससे वॉइस ऑफ अमेरिका पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस रेडियो चैनल के डायरेक्टर माइकल अब्रामोविट्ज ने शनिवार को फेसबुक पर बताया कि उन्हें और उनके लगभग 1300 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। वीओए

के कुछ स्थानीय रेडियो स्टेशनों ने समाचार प्रसारण बंद कर दिए हैं और उनमें संगीत के कार्यक्रम चल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि वीओए के वरिष्ठ संपादकों को भी काम रोकने का आदेश दिया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वीओए की दुनिया भर में न्यूज ब्रॉडकास्टिंग रोक दी जाएगी।

एक पुराने संवाददाता ने कहा कि वॉइस ऑफ अमेरिका फिलहाल खामोश हो गया है। यह यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया का हिस्सा है। यूएसएजीएम रेडियो फ्री यूरोप, रेडियो फ्री एशिया और मिडिल ईस्ट ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क जैसे अन्य नेटवर्क भी चलाता है। इन नेटवर्क्स के ऑपरेटर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिए गए हैं।

ट्रंप के समर्थकों का तर्क है कि ये ब्रॉडकास्टर फालतू हैं और पुराने हो चुके हैं।

इसलिए इन पर पैसा खर्च करने का कोई तुक नहीं है। हालांकि वॉइस ऑफ अमेरिका के समर्थकों का कहना है कि इन नेटवर्क्स को बंद कर अमेरिका ने चीन और अन्य देशों को रेडियो तरंगों पर कब्जा करने का मौका दे दिया है।

इससे अमेरिका के विदेशी हितों को नुकसान होगा। अमेरिका कई साल से दुनियाभर के दर्शकों के लिए इंटरनेशनल न्यूज और करंट अफेयर्स कवरेज को फंड करता रहा है।

महिला समृद्धि योजना पर आप ने की नई डिमांड

> सीएम रेखा गुप्ता पर लगाए आरोप

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिला समृद्धि योजना के मुद्दे को लेकर सियासी तकरार थमने का नाम नहीं ले रही है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने रविवार को कहा कि महिला समृद्धि योजना को दिल्ली के बजट 2025-26 में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गरीब तबके की महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर और दलितों को छात्रवृत्ति समेत भाजपा के वादों को भी बजट 2025-26 में

जगह दी जानी चाहिए।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि कि जब से रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी हैं, तब से वह सिर्फ लोगों से मिल रही हैं। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में जो वादे किए हैं, उनमें महिला समृद्धि योजना के जरिए दिल्ली की हर महिला को हर महीने 2500 रुपये देने का प्रावधान, गरीब तबके की महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर, दलितों को छात्रवृत्ति आदि शामिल हैं।

गौरतलब है कि सीएम रेखा गुप्ता ने शनिवार को किसानों से मुलाकात की थी और दिल्ली बजट 2025-26 के लिए सुझाव लिए थे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि किसानों को नई दिल्ली सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। केंद्र और दिल्ली की डबल इंजन सरकार किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए जुटकर काम करेगी। हमने बजट के बारे में सलाह लेने के लिए दिल्ली के हर कोने से किसानों को बुलाया था। उन्होंने अपने सुझाव हमारे साथ साझा किए हैं।

दिल्ली में 'महिला समृद्धि योजना' की मंजूरी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली कैबिनेट ने 'महिला समृद्धि योजना' को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने घोषणा की थी कि इस योजना के लिए जल्द ही पंजीकरण शुरू किया जाएगा। मौजूदा वक्त में सीएम रेखा गुप्ता विभिन्न व्यापारिक समुदायों के लोगों से भी मिल रही हैं और बजट 2025-25 के लिए सुझावों पर बातचीत कर रही हैं।

पिछले 15-20 वर्षों में दिल्ली के गांवों में बहुत कम विकास हुआ है, जिससे नई सरकार से लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर भाजपा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली.

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वियतनाम दौरे की वजह से सत्तारूढ़ भाजपा उन पर हमलावर है. भाजपा के कई नेताओं ने उनके वियतनाम दौरे पर सवाल उठाए हैं. रवि शंकर प्रसाद ने तो यहां तक कह दिया कि वे अपने लोकसभा क्षेत्र से ज्यादा समय वियतनाम में गुजारते हैं. भाजपा ने यह भी आरोप लगाया है कि पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन के तुरंत बाद भी राहुल वियतनाम चले गए थे और 22 दिन रहे. यह वह मौका था जब देश शोक मना रहा था.

वियतनाम बेहद खूबसूरत देश है. यहां भरपूर प्राकृतिक सौन्दर्य एवं सांस्कृतिक धरोहरें हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं. वीसा बहुत आसानी

से उपलब्ध हो जाता है. यह प्रॉसेस भी ऑनलाइन है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सामान्य भारतीय वहां पहुंचते ही खुद का बड़ा आदमी मान सकता है क्योंकि भारत का एक रुपया वियतनाम में लगभग तीन सौ वियतनामी डोंग के बराबर है. इस वजह से लोगों को वहां रहना, खाना-पीना बेहद सस्ता लगता है.साल 2023 में लगभग ढाई लाख और अगले साल यानी साल 2024 में लगभग पांच लाख भारतीय पर्यटकों ने वियतनाम की यात्रा की थी. साल 2022 से भारत और वियतनाम के बीच उड़ानों में बढ़ोत्तरी भी हुई है. उपलब्ध जानकारी के मुताबिक भारत ने 350 से ज्यादा प्रोजेक्ट में निवेश कर रखा है. ये प्रोजेक्ट ऊर्जा, खनिज, कॉफी, चाय, चीनी, आईटी, फार्मा आदि क्षेत्रों में संचालित किये जा रहे हैं. वियतनाम ने व्यापार के मामले में भारत को अनेक रियासतें भी दे रखी हैं. ऐसा दोनों देशों में मधुर संबंधों की वजह से है. स्वाभाविक है कि जब उद्योग-व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी तो यात्राएं भी स्वाभाविक रूप से बढ़नी ही हैं. आने वाले दिनों में निवेश और बढ़ने की संभावना है. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, एचसीएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड समेत कई भारतीय कार्यालय वहा संचालित हो रहे हैं.